राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,07 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–310 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चुनावी मोड में कांग्रेस

राजस्थान समेत 3 राज्यों के प्रभारी बदले; बीजेपी भी जल्द बदल सकती है दिल्ली समेत आधे राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए तीन राज्यों के प्रभारी बदल दिए हैं। इसमें राजस्थान, हरियाणा और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। पंजाब के पूर्व मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को राजस्थान, कुमारी शैलजा को छत्तीसगढ़ का और शक्ति सिंह गोहिल को दिल्ली के अलावा हरियाणा का भी प्रभारी बनाया गया है। नई नियुक्तियों को लेकर महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पत्र जारी किया है।

विधानसभा चुनावों को लेकर किए बदलाव

शैलजा ने पुनिया, रंधावा ने अजय माकन और गोहिल ने विवेक बंसल का स्थान लिया है। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ये बदलाव आए हैं। दोनों राज्यों में वर्तमान में कांग्रेस सत्ता में है। पार्टी की ओर से जारी एक आधिकारिक संदेश में कहा गया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में ये नियुक्तियां की हैं।

सप्पल को पवन बंसल के साथ लगाया

पार्टी अजय माकन, पीएल पुनिया और विवेक बंसल के योगदान की सराहना करती है और उन्हें उनके संबंधित राज्यों के महासचिव और प्रभारियों के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त करती है। आदेश में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने गुरदीप सिंह सप्पल को पवन कुमार बंसल के साथ लगाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री बंसल वर्तमान में पार्टी के कोषाध्यक्ष हैं और प्रशासनिक विभाग के प्रभारी भी हैं।

बीजेपी भी जल्द बदल सकती है कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष

कांग्रेस के बाद भाजपा भी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों और उसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आधे राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदलने की तैयारी कर चुकी है। नए प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा इसी महीने हो सकती है। जिन राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बदले जा सकते हैं, उनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, प. बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गोवा आदि शामिल हैं।

भाजपा मुख्यालय में दो दिन चलने वाली पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक सोमवार को शुरू हुई। इस बैठक में कुल 8 सत्र हैं। सूत्रों के अनुसार, लगभग सभी सत्रों में चर्चा का केंद्र अगले दो साल में होने वाले चुनाव हैं। पार्टी के उपाध्यक्ष और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमण सिंह ने बताया कि सोमवार को बैठक में बूथ को और मजबूत करने की चर्चा हुई। पार्टी यह कोशिश कर रही है कि बूथ को न सिर्फ मजबूत किया जाए, बल्कि इस काम में लगे कार्यकर्ताओं को और अधिक सक्रिय रखा जाए।

मोदी का संदेश- सीमावर्ती गांवों तक पहुंचें कार्यकर्ता

सोमवार को बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमावर्ती गांवों तक पहुंच कर कार्यकर्ताओं को विभिन्न तरह की गतिविधियां चलानी चाहिए। देश में 500 सीमावर्ती गांव में पार्टी के कार्यकर्ता पहुंचकर वहां सफाई अभियान, खेल प्रतियोगिता, सेमिनार, डिबेट, फूड फेस्टिवल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करें। मोदी ने स्नेह मिलन कार्यक्रम चलाने का सुझाव भी दिया। इसमें देश भर के विभिन्न राज्यों के लोग देश के दूसरे राज्यों में जाकर वहां के लोगों से मिले-जुले।

शैलजा ने पुनिया, रंधावा ने अजय माकन और गोहिल ने विवेक बंसल का स्थान लिया है। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ये बदलाव आए हैं। दोनों राज्यों में वर्तमान में कांग्रेस सत्ता में है।

400 साल से है ताजमहल, इसे वहीं रहने दो...सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की इतिहास बदलने की मांग वाली याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ताजमहल के इतिहास को दोबारा लिखवाने की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए कहा है कि 400 साल पुराने इतिहास को दोबारा नहीं खोलवाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 400 साल के बाद तबकुछ नहीं बदला जा सकता है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य याचिका को खारिज करते हुए इस तरह की पीआईएल फाइल ना करने की चेतावनी भी दी है। एक याचिका में श्री श्री ठाकुर अनुकूलचंद्र को परमात्मा घोषित करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया। जस्टिस एमआर शाह और सीटी रविकुमार की बेंच ने याचिकाकर्ता यूएन दुलाई से कहा कि देश के सभी नागरिकों को संविधान के हिसाब से अपना-अपना भगवान और धर्म मानने का अधिकार है। भारत एक सेक्युलर देश है और किसी को भी इस तरह की याचिका की अनुमति नहीं दी जा सकती जो किसी विशेष को ही परमात्मा घोषित करने की मांग करता है।

ताजमहल के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कोई जनहित याचिका नहीं बल्कि केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का हथकंडा है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की याचिकाओं से कोर्ट का समय जाया किया जाता है। इसके बाद ही ऐडवोकेट बारुन कुमार सिन्हा ने डॉ. सच्चिदानंद पांडेय की याचिका पर बहस शुरू की। उन्होंने कहा कि पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को निर्देश दिया जाए कि वह ताजमहल का सर्वे करे और बताए कि यहां मुगलकाल की इमारत से पहले कौन सी इमारत हुआ करती थी।

सिन्हा ने कहा कहा एएसआई की रिपोर्ट के बाद किताबों में छपने वाली ताजमहल की तस्वीर मे भी परिवर्तन किया जाना चाहिए। बेंच ने कहा, पीआईएल का मतलब यह नहीं है कि फिर से जांच शुरू कर दी जाए।

56 कश्मीरी पंडित आतंकियों के निशाने पर

सरकारी विभागों में काम करने वाले पंडितों की सूची आतंकियों के हाथ लगी

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में सरकारी विभागों में काम करने वाले 56 कश्मीरी पंडितों की सूची लीक हो गई है और आतंकियों के हाथ लग गई है। इस सूची को आतंकी संगठन से जुड़े ब्लॉग पर शेयर किया जा रहा है और कश्मीरी पंडितों को धमकाया जा रहा है। भाजपा ने इस मामले में जांच करवाने की मांग की है। 2010 से पीएम पुनर्वास पैकेज के तहत 5000 पंडितों की भर्ती की जा चुकी है। पहले से ही घाटी में निशाना बनाकर कश्मीरी पंडितों की हत्या की जा रही है। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के ब्लॉग लिंक पर कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सूची साझा की गई। इस लिस्ट में 56 कश्मीरी पंडितों के नाम हैं जो कि प्रधानमंत्री पुनर्वास पैकेज के तहत काम कर रहे हैं। टीआरएफ के ब्लॉग कश्मीर फाइट में कहा गया है कि कश्मीरी पंडितों के लिए जो 6 हजार फ्लैट बनाए जा रहे हैं, यह उन्हें बर्दाश्त नहीं हैं। भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने सूची के लीक होने को लेकर चिंता जताई है। ठाकुर ने पुलिस से कहा है कि इस मामले की जांच की जाए कि आखिर यह लिस्ट कैसे लीक हुई।

कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा के लिए जांच जरूरी है। इसी बीच पुलिस ने अपने जवानों के लिए नई एसओपी जारी की है जिसमें कहा गया है कि उन्हें ड्यूटी से बाहर रहते हुए भी सतर्क रहना है।

एक साल में 24 हिंदुओं की हो चुकी है हत्या

कश्मीरी पंडितों के विभिन्न संगठनों ने पिछले एक साल के दौरान घाटी में आतंकवादियों द्वारा 24 कश्मीरी और गैर कश्मीरी हिंदुओं की हत्या की है। भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने पुलिस से सूची के लीक होने की जांच करने का अनुरोध किया है। ठाकुर ने कहा कि आतंकवादियों को स्पष्ट पता है कि कौन कहां तैनात है। सरकार को इस पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। यह पता करना चाहिए कि ऐसे समय में किसने सूची लीक की है जब घाटी में लक्षित हत्याएं हो रही हैं।

इस साल मारे गए 176 आतंकी

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को खत्म करने के लिए पुलिस और सेना की तरफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान एनकाउंटर में कई आतंकियों को ढेर भी किया गया।

दान का स्वागत है, लेकिन यह धर्मांतरण के लिए नहीं हो सकता : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि धर्म की स्वतंत्रता में जबरन धर्मांतरण शामिल नहीं है और किसी भी दान का स्वागत है, लेकिन यह धर्मांतरण के उद्देश्य से नहीं हो सकता है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ ने जबरन धर्मांतरण पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, दान का स्वागत है लेकिन दान का उद्देश्य धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। धर्म की स्वतंत्रता में जबरन धर्म परिवर्तन शामिल नहीं है। बल और लालच के माध्यम से कोई धर्मांतरण नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा, हम यहां समाधान के लिए हैं, चीजों को ठीक करने के लिए। हर दान या अच्छे काम का स्वागत है, लेकिन इरादे की जांच होनी चाहिए। न्यायालय ने कहा, हर किसी को धर्म चुनने का अधिकार है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप लड़कर धर्म परिवर्तन कर सकते हैं। यदि आप

किसी विशेष समुदाय की मदद करना चाहते हैं, तो आप मदद करें। लेकिन दान का उद्देश्य धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। हर अच्छे काम का स्वागत है। लेकिन जिस पर विचार करने की आवश्यकता है, वह इरादा है। इरादा बहुत स्पष्ट होना चाहिए। शीर्ष अदालत वरिष्ठ अधिवक्ता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में कड़े प्रावधानों सहित जबरन धर्म परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। केंद्र और गुजरात सरकार ने जनहित याचिका का समर्थन करते हुए और इस खतरे से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय कानून का पुरजोर समर्थन करते हुए पहले ही अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दाखिल कर दी है। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा, यह जबरन धर्मांतरण बेहद गंभीर मसला है। न्यायालय ने कहा, यह बहुत गंभीर है। क्योंकि यह (जबरन धर्मांतरण) हमारे संविधान के खिलाफ है। भारत में रहने वाले हरेक व्यक्ति को भारत की संस्कृति और धार्मिक सद्भाव के अनुसार कार्य करना होगा।÷

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र राज्यों से डेटा एकत्र कर रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात राज्य में इस संबंध में एक मजबूत कानून है और कानून के संबंध में रोक लगा दी गई है। पीठ ने उन्हें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के सामने उस मामले का उल्लेख करने के लिए कहा था।

अखिल भारत हिंदू महासभा के एलान पर अलर्ट, श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह की सुरक्षा बढ़ी, ड्रोन से निगरानी

मथुरा। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही ईदगाह मस्जिद मैदान में अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा लड्डू गोपाल का जलाभिषेक और हनुमान चालीसा पाठ करने के एलान को देखते हुए चप्पे-चप्पे पर चौकसी बढ़ा दी गई है। खुफिया तंत्र भी मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में सक्रिय है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह की तरफ वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई है। मंगलवार सुबह से ही पुलिस चेकिंग कर रही है। इससे पूर्व सोमवार को पुलिस अफसर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। पुलिस ने पैदल मार्च भी किया। सोमवार शाम डीएम पुलकित खरे और एसएसपी शैलेष कुमार पांडेय ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान-ईदगाह क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को परखा। प्रमुख स्थानों पर मुस्तैद सुरक्षाकर्मियों की मुस्तैदी को भी जांचा। सुरक्षाकर्मियों को सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी सिटी मार्तंड प्रकाश सिंह ने डीगगेट चौकी पर डेरा डाल दिया। यहां से शहर के हालत की जानकारी लेते रहे। सीओ सिटी अभिषेक तिवारी, एसएचओ थाना गोविंदनगर संजय कुमार पांडेय के संग आसपास के इलाके में पैदल मार्च करते दिखे। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह की तरफ जाने वाले वाहनों को सोमवार को ही रोक दिया गया। मंगलवार को मसानी, मिलन तिराहा, भूतेश्वर तिराहा, भरतपुरगेट की तरफ से वाहन श्रीकृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह की तरफ नहीं जा सकेंगे। केवल एंबुलेंस, स्कूली बसें, मीडिया के वाहन और जरुरतमंदों के वाहन ही निकल सकेंगे। सीओ सिटी अभिषेक तिवारी ने बताया कि वाहनों पर रोक रहेगी। इसके लिए लोग दूसरे रास्तों से जाकर व्यवस्था से सहयोग करें। एसएसपी शैलेष कुमार पांडेय ने बताया कि जनपद की कानून व्यवस्था नहीं बिगड़ने दी जाएगी। कोई भी शांति व्यवस्था को बिगाड़ता पाया गया तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। पुलिसकर्मियों को सजगता बरतने के निर्देश दिए हैं। हर हाल में जनपद का शांत माहौल रखा जाएगा।

छत्रपति शिवाजी पर टिप्पणी: एकनाथ शिंदे सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेगी एमवीए, मुंबई में महा प्रदर्शन

मुंबई। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी ने राज्य सरकार के खिलाफ बड़ा मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है। गठबंधन छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर की गई टिप्पणी और महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की तैयारी में है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लोगों से विरोध में शामिल होने की अपील की है। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के बयान के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

MVA ने 17 दिसंबर को मुंबई में विरोध में मार्च निकालने की योजना बनाई है। ठाकरे ने कहा, इस 17 दिसंबर को हम मुंबई में जीजामाता उद्यान से आजाद मैदान तक मौजूदा राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा निकालेंगे और महाराष्ट्र के राज्यपाल को हटाने की मांग रखते हैं। मैं महाराष्ट्र से प्यार करने वाले सभी लोगों से उन लोगों के खिलाफ आने की अपील करता हूं, जिन्होंने राज्य का अपमान किया है। उन्होंने कहा, कर्नाटक हमारी इलाकों, गांवो और यहां तक की जाथ, सोलापुर मांग रहा है, क्या वे

हमारे पंडरपुर विठोबा भी मांगेंगे? इससे एक सवाल उठता है कि क्या महाराष्ट्र में कोई सरकार है? जैसे गुजरात चुनाव से पहले कुछ कारोबार वहां शिफ्ट हो गए, तो कर्नाटक चुनाव से पहले क्या हमारे गांव भी कर्नाटक को दे दिए जाएंगे?

36 और अनुपयोगी कानूनों को खत्म करेगी योगी सरकार, यूपी कैबिनेट का फैसला

विपक्ष के नेता अजित पवार ने कहा, देखें कर्नाटक के सीएम क्या बात कर रहे हैं और वहां भाजपा की सरकार है और सीएम शिंदे यहां भाजपा की वजह से सीएम बने, वे मुद्दों पर कुछ नहीं कह रहे हैं और हमारे नेताओं और महाराष्ट्र के आइकॉन्स का अपमान करने का प्रयास किया जा रहा है इसलिए हम यह आंदोलन कर रहे हैं।

कहां से शुरू हुआ विवाद

19 नवंबर को औरंगाबाद स्थित डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल कोश्यारी ने छत्रपति शिवाजी को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, अगर कोई आपसे पूछे कि आपका आदर्श कौन है, तो आपको बाहर जाकर खोजने की जरूरत नहीं है। आप उन्हें यहां महाराष्ट्र में खोज सकते हैं। छत्रपति शिवाजी अब पुराने आदर्श हो गए हैं, आप बाबासाहेब आंबेडकर से नितिन गडकरी तक नए खोज सकते हैं।

महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में 24 दिसंबर से पांच जनवरी तक प्रवेश प्रतिबंधित

उज्जैन। मप्र के उज्जैन में स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में 24 दिसंबर से पांच जनवरी तक श्रद्धालुओं का प्रवेश पूर्णत- प्रतिबंधित रहेगा। श्रद्धालुओं को गणेश मंडपम से भगवान महाकाल के दर्शन होंगे।

यह निर्णय सोमवार शाम को मंदिर कार्यालय में कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई प्रबंध समिति की बैठक में लिया गया। समिति ने कई और मसलों पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इनके तहत अब मंदिर में 20 दिसंबर से मोबाइल ले जाना पूर्णत- प्रतिबंधित रहेगा, वहीं लड्डू प्रसादी के भाव भी बढ़ाए जाएंगे।

मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने बताया कि साल के आखिरी सप्ताह में देशभर से हजारों श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन करने आते हैं। श्री महाकाल महालोक का निर्माण होने के बाद बीते सालों की अपेक्षा इस वर्ष तीन गुना अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। भारी भीड़ को देखते हुए समिति ने 24 दिसंबर से पांच जनवरी तक गर्भगृह में भक्तों को प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया है। इस दौरान मंदिर के पुजारी नियमिति पूजा-अर्चना तथा आरती करेंगे।

उन्होंने बताया कि मंदिर के पुजारी व समिति सदस्य पं. राम पुजारी ने भी मंदिर के समस्त पुजारी, पुरोहितों की ओर से आम जनता की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए प्रवेश प्रतिबंधित करने का समर्थन किया। बैठक में महापौर मुकेश टटवाल, महंत विनीत गिरीजी

महाराज, एसपी सत्येंद्र कुमार शुक्ला, समिति सदस्य राजेंद्र शर्मा, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल आदि मौजूद थे।

मोबाइल लॉकर लगाएंगे

महाकाल दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु 20 दिसंबर से मंदिर के भीतर मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। प्रबंध समिति ने भक्तों के मंदिर में मोबाइल ले जाने पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। भक्तों की सुविधा के लिए समिति विभिन्न प्रवेश द्वारों पर मोबाइल लाकर लगाएगी। इसके अलावा श्रद्धालु स्वयं व्यवस्था अनुसार अन्यत्र मोबाइल रखकर मंदिर में प्रवेश करेंगे। भस्म आरती के समय भक्तों को मोबाइल ले जाने की अनुमति देने पर विचार किया जा रहा है, क्योंकि भस्म आरती दर्शन के लिए भक्तों को मोबाइल पर आनलाइन अनुमति दी जाती है।

महंगा होगा महाकाल का लड्डू प्रसाद

देश-विदेश से आने वाले भक्तों के लिए अब भगवान महाकाल का लड्डू प्रसाद खरीदना महंगा होगा। प्रबंध समिति की बैठक में लड्डू प्रसाद का भाव 60 रुपये प्रति किलो बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में भक्तों को 300 रुपये किलो में लड्डू प्रसाद मिल रहा है। एक-दो दिन में इसके भाव 360 रुपये किलो हो जाएंगे। प्रशासक सोनी ने बताया वर्तमान में समिति को एक किलो लड्डू की कास्ट 375 रुपये किलो पड़ रही है। घाटे की पूर्ति लिए निर्माण लागत से कम कीमत पर विक्रय का निर्णय लिया गया है।

महाकाल मंदिर समिति उज्जैन के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 10 ओपन एसी बस चलाने जा रही है। प्रबंध समिति की बैठक में बसों के संचालन को लेकर निर्णय हुआ। प्रशासक सोनी ने बताया कि उज्जैन के सभी प्रमुख मंदिरों को सर्किट बनाते हुए दिन भर 10 ओपन एसी बसें चलती रहेंगी। यात्री एक बार निर्धारित शुल्क देकर टिकट खरीदेंगे तथा किसी भी मंदिर से किसी भी बस में सवार होकर नगर भ्रमण कर सकेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अब नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा फिर प्रधानमंत्री बन जाएंगे। हालांकि उनकी पार्टी को 57 सीटें मिली हैं और प्रंचड की कम्युनिस्ट पार्टी को सिर्फ 18 सीटें मिली हैं लेकिन जहां तक वोटों का सवाल है प्रचंड की पार्टी को 2791734 वोट मिले हैं जबकि नेपाली कांग्रेस को सिर्फ 2666262 वोट ही मिल पाए।

नेपाल में नई सरकार

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

नेपाल में हुए आम चुनावों में जिन सत्तारुढ़ पार्टियां ने पहले से गठबंधन सरकार बनाई हुई थीं वे फिर से जीत गई हैं। उन्हें 165 में से 90 सीटें मिल गई हैं। अब नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा फिर प्रधानमंत्री बन जाएंगे। हालांकि उनकी पार्टी को 57 सीटें मिली हैं और प्रंचड की कम्युनिस्ट पार्टी को सिर्फ 18 सीटें मिली हैं लेकिन जहां तक वोटों का सवाल है प्रचंड की पार्टी को 2791734 वोट मिले हैं जबकि नेपाली कांग्रेस को सिर्फ 2666262 वोट ही मिल पाए। इसका अर्थ क्या हुआ? अब कम्युनिस्ट पार्टी का असर ज्यादा मजबूत रहेगा। अब देउबा की सरकार में कम्युनिस्ट पार्टी का सिक्का ज़रा तेज दौड़ेगा। देउबा प्रधानमंत्री तो दुबारा बन जाएंगे लेकिन उन्हें अब उन कम्युनिस्टों की बात पर ज्यादा ध्यान देना होगा जो कभी नेपाली कांग्रेस के कट्टर विरोधी रह चुके हैं। उन्होंने अपनी बगावत के दौरान नेपाली कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं की निर्मम हत्या भी की थी और उनके पार्टी घोषणा-पत्रों में भारत के विरुद्ध विष-वमन में भी कोई कमी नहीं रखी जाती थी। यह हमारे दक्षिण एशिया की राजनीतिक मजबूरी है कि सत्ता में आने के लिए घनघोर विरोधी भी गल-मिलव्वल करने लगते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. ओली की कम्युनिस्ट पार्टी अपने गठबंधन के भागीदारों के साथ मिलकर देउबा सरकार की नाक में दम बनाए रखने पर आमादा रहे लेकिन यह भी संभव है कि ओली के गठबंधन से टूटकर कुछ पार्टियां और सांसद देउबा का समर्थन करने लगें। उन्हें पता है कि भारत के बिना नेपाल का गुजारा नहीं है और ओली ने भारत-विरोध का झंडा निरंतर उठाए रखा था। उन्होंने मधेशियों और आदिवासियों पर इतने अत्याचार किए थे कि भारत सरकार को उनके विरुद्ध कड़े कदम उठाने पड़े थे। इसके अलावा सीमांत के लिपुलेख क्षेत्र पर नेपाल का दावा घोषित करके उन्होंने मोदी सरकार से दुश्मनी मोल ले ली थीं। इतना ही नहीं उन दिनों यह माना जाता था कि काठमांडो में चीन की महिला राजदूत ही नेपाली सरकार की असली मार्गदर्शक है। यह वजह है कि वर्तमान चुनाव में ओली की पार्टी और उनकी गठबंधन की सीटें घट गई हैं। जहां तक देउबा का प्रश्न है प्रचंड और ओली इन दोनों के मुकाबले वे अधिक अनुभवी और संयत स्वभाव के हैं। इन तीनों नेपाली प्रधानमंत्रियों के साथ मेरा भोजन और खट्टा-मीठा वार्तालाप भी हुआ है। देउबा अभी कुछ माह पहले भारत-यात्रा पर भी आए थे। वे चीन से अपने संबंध खराब किए बिना भारत को प्राथमिकता देते रहेंगे। भारत भी नेपाली कांग्रेस को जिसके कोइराला आदि नेतागण प्रायः भारतप्रेमी ही रहे हैं पूरी सहायता करने की कोशिश करेगा। यदि देउबा और प्रचंड में सदभाव बना रहेगा तो यह सरकार अपने पांच साल भी पूरे कर सकती है। नेपाली लोकतंत्र की यह पहचान बन गई है कि वहां सरकारें पलक झपकते ही उलट-पलट जाती हैं। लेकिन यह नेपाली लोकतंत्र की विशेषता भी है कि वहां न तो राजशाही का बोलबाला दुबारा हो पाता है और न ही वहां कभी फौजशाही का झंडा बुलंद होता है।

सूक्ति

रामायण समस्त मनुष्य जाति को अनिर्वचनीय सुख और शांति पहुँचाने का साधन है।
- मदनमोहन मालवीय

कोई मनुष्य दूसरे मनुष्य को दास नहीं बनाता केवल धन का लालच ही मनुष्य को दास बनाता है। - पंचतंत्र

लॉफिंग ज़ोन

एक साहिब को अंग्रेजी कम आती थी. वे खाना खाने रेस्तरां गए. वेटर ने मीनू(खाने की सूची) लाकर मेल पर रख दी. इत्तेफाक से वो साहिब अपना चश्मा भी घर भूल आए थे. उन्होंने मीनू पर नजर डाल कर आर्डर दिया.

वेटर हैरान खड़ा था. मैनेजर ने उसे पूछा,'इन साहिब का आर्डर क्यों नहीं लाते?'

वेटर बोला,'कैसे लाऊं? पहले यह कहते हैं भुना हुआ लाओ और फिर आपके नाम पर उंगली रख देते हैं.'

☺ ☺ ☺

क्रिकेट टीम के कप्तान ने दूसरी टीम के कप्तान से कहा,'मैं मानता हूं कि तुम्हारे पास देशभक्त गेंदबाज हैं, देशभक्त बल्लेबाज हैं, देशभक्त मैनेजर और देशभक्त कोच हैं लेकिन फिर भी जीत हमारी ही टीम की होगी?'

दूसरा कप्तान,''मैं समझा नहीं वह कैसे? 'पहला कप्तान,'क्योंकि क्रिकेट मैच हमारे देश में हो रहा है और माना हुआ देशभक्त अम्पायर हमारे पास है.''

☺ ☺ ☺

क्रिकेट के सीजन में एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति से पूछा,'क्यों भाई साहब आपका क्या ख्याल है? क्या भारत जीत जाएगा?'

पता नहीं भाई साहब जवाब मिला,'मैं तो लड़ाई-झगड़ों से दूर रहना ही पसंद करता हूं.'

फिर जीवंत होना पूना की यादों का

गुरबचन जगत

पिछले दिनों मुझे इंटेलीजेंस ब्यूरो से सेवानिवृत्त हुए एक मित्र से 'भारत की आंतरिक सुरक्षा पर अंदरूनी पहलुओं का प्रभाव' नामक परिचर्चा में शामिल होने का अनौपचारिक निमंत्रण मिला। तत्पश्चात आयोजक 'पुणे इंटरनेशनल केंद्र' के डॉ. माशेलकर (अध्यक्ष), डॉ. केलकर (उपाध्यक्ष) और समन्वयक ले. जनरल पाटनकर (अ.प्रा.) की ओर से औपचारिक निमंत्रण प्राप्त हुआ। जम्मू-कश्मीर में बतौर पुलिस महानिदेशक मेरे कार्यकाल में जनरल पाटनकर वहां डिवीज़न कमांडर थे। वे उन बेहतरीन सेना अधिकारियों में एक हैं जिनसे आज तक मैं मिला हूं- पूर्णरूपेण पेशेवर एवं भद्रपुरुष। अपनी सेवानिवृत्ति उपरांत मैंने एक तरह से कसम ले रखी थी कि टीवी चैनलों या किसी सेमिनार की पैनल चर्चा में भाग नहीं लूंगा। तथापि इस निमंत्रण ने मेरे दिल में हूक उठा दी और कुछ गहरे दबी भावनाएं जगा दीं क्योंकि 1940-50 के दशक में मेरी अधिकांश स्कूली पढ़ाई पूना (आजकल का पुणे) में हुई है - एक तो बचपन ने मुझे खींच लिया, उतना ही महत्वपूर्ण रहा इसमें भाग लेने वाली गणमान्य शख्सियतें। हालांकि यात्रा में खपने वाले समय को लेकर मैं कुछ असहज था क्योंकि मैं उम्र के आठ दशक पार कर चुका हूं और अगला हवाई जहाज पकड़ने के लिए बीच में दिल्ली में घंटों का अंतराल काटना था। आखिरकार मैंने सपत्नीक जाने का फैसला ले लिया। हम पुणे हवाई अड्डे पर उतरे और होटल पहुंचे। रास्ते में किरण (मेरी पत्नी) ने सड़कों की हालत, ट्रैफिक और ऊंचे-ऊंचे भवनों पर खीझना शुरू कर दिया - यह था तो सच लेकिन हर वह सांस जो मैं आत्मसात कर रहा था, अंदर से मुझे प्रफुल्लित कर रही थी और मराठी भाषा के शब्द भी। मुझे कहीं भी कुछ गलत नज़र नहीं आ रहा था क्योंकि बचपन के गुलाबी-चश्मे से जो देख रहा था- पुराने परिदृश्य की तलब में, जो कभी था, पर अंदरूनी तसव्वुर के सिवा अब चीज़ें बदली-बदली दिखाई दे रही थीं और अनजानी सी थीं। परिचर्चा पूरे दिन चलती थी, लेकिन अधिकांश समय इसने बांधे रखा। प्रतिभागी विभिन्न क्षेत्रों से थे - खुफिया विभाग, पुलिस, सेना, वायुसेना, विदेश सेवा, निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठनों से। यह कायदे से चुनकर बुलाए प्रतिभागियों का सम्मेलन था और बहुत उद्देश्यपूर्ण, इसमें कुछ विभागीय परिपाटी की आलोचना की गई तो भविष्य के लिए समझदारी भरे सुझाव भी आए। प्रश्न-उत्तर सत्र बहुत तीखा और भेदक था। आज इनकी तफ्सील में न जाकर केवल 'पूना' इस लेख का मुख्य विषय है। सत्र का आखिरी दिन लगभग पूरा खाली था और हम सेंट विंसेंट हाई स्कूल की ओर चल निकले, जहां से मैंने नौवीं कक्षा तक पढ़ाई की थी (इससे पहले प्राथमिक पढ़ाई हचिंग्स गर्ल्स स्कूल में हुई थी)। जैसे ही हमारी कार जीपीएस की मदद से स्कूल की ओर बढ़ने लगी, मैं सड़क किनारे पुराने वक्त की निशानियां और भवन ढूंढ़ने की कोशिश करने लगा, जिन सड़कों पर कभी साइकिल से आया-जाया करता था। बहुत मुश्किल से चंद मोड़ और घुमावों को पहचान पाया लेकिन सब तरफ सीमेंट और स्टील के नए भवन उग आए थे, जो हर पुरानी याद को अनजाना बना रहे थे - वह हिंदुस्तान बुक शॉप, जहां से हम स्टेशनरी और किताबें खरीदते थे, वह बोहरा शॉप, अब नज़र नहीं आईं। टाइल वाले झोंपड़ीनुमा घरों को फ्लैट्स की बाढ़ बहा चुकी है। मेरा दिल उदास हो चला और सोचने लगा कि किरण ठीक ही तो कह रही है। लेकिन तब जादू सा हुआ, जब हम ऐन स्कूल के सामने पहुंचे और मानो समय ठहर गया हो - सामने वही पुराना भवन का माथा और बगल के भवन, जो 1956 में स्कूल छोड़ते वक्त थे। शहर में जो देखकर आया, सबके बीच मेरा प्रकाश-पुंज अपने पुराने स्वरूप में खड़ा था - वह चिरस्थाई अहसास, प्रकाश एंव आलोक का स्रोत, जो ताजिंदगी बना रहा। सामने के भवन के ऊपर जीसस क्राइस्ट की मूर्ति और स्कूल का प्रतीक-चिन्ह वैसे ही थे। मेरा दिल किया कि इस आभामय धरती को झुककर सजदा करूं। लॉन पहले से कुछ अलग नज़र आया लेकिन जैसे ही पायदान चढ़कर बरामदे में पहुंचे तो सामने वही जानी-पहचानी सीढ़ियां और कक्षाएं थीं। मैं अलग दुनिया और काल में विचरने लगा। इतवार की छुट्टी की वजह से विशाल लॉन, भवन, खेल का मैदान खाली था। चौकीदार को हैरानी हुई जब मैंने '1956' का जिक्र किया। मुझे याद है कि जब स्कूल लगा होता था तब भी पढ़ाई के वक्त कक्षाओं के बाहर ठीक ऐसी ही शांति हुआ करती थी। बरामदा और भवन अब भी दाग रहित साफ-सुथरे थे। जल्द ही हम कक्षा 8वीं बी के सामने थे। यह वही कमरा था और वही कक्षा, जहां मैं बैठता था। हैरानी से भी ज्यादा हैरानी यह कि डेस्क और दो छात्रों के बैठने लायक बेंच आज भी वही थे, जिन पर बच्चों द्वारा उकेरे निशान तक दिखाई दे रहे थे- मूलतः वही, किंतु शायद मरम्मत और पुनरुद्धार किए हुए। वहां खड़े हुए मुझे इस कक्षा में घटित एक किस्सा याद हो आया। श्रीमान लोबो हमारे गणित अध्यापक थे, असल सख्तमिजाज़... और पेशानी पर सदा बल रहता। वे दिन ब्लैकबोर्ड वाले थे और वे चॉक से कुछ लिख रहे थे और पीठ छात्रों की तरफ थी। एक शरारती छात्र ने कांच की नलिका में कुछ रखकर, फूंक मार उनकी पीठ को निशाना बनाया। बिलबिलाए श्रीमान लोबो मुड़े और ऐसा करने वाले को ढूंढ़ने लगे, लेकिन नलिका से सफाई से निजात पाई जा चुकी थी। मास्टर जी ने कहा कि अपराधी स्वयं खड़ा हो जाए- कोई नहीं हुआ। तब उन्होंने अन्य छात्रों से अपराधी की पहचान करने को करना- फिर शांति। वह दिन का आखिरी पढ़ाई घंटा था और उसके बाद खेल-कूद का अनिवार्य पीरियड था। श्री लोबो ने तय किया कि जब तक मामला हल नहीं हो जाता तब तक न तो कोई खेल मैदान जाएगा न ही घर। कुछ घंटों बाद, प्रिंसिपल फादर रेह्न, अचानक वहां से गुज़रे, सो दरियाफ्त किया। मामला जानने के बाद वे अपनी राह चले गए। लेकिन जब समय पर घर न पहुंचने पर चिंतित अभिभावक पूछताछ के लिए स्कूल पहुंचने शुरू हुए तो श्री लोबो को नर्म पड़ना पड़ा, लेकिन फटकार का एक और दौर हमें भुगतना पड़ा! अब हम 7वीं बी कक्षा के सामने खड़े थे, जिसके बाहर मेरी एकमात्र स्कूली लड़ाई हुई थी। सुश्री फर्नांडीज हमारी टीचर थीं और मेरा सबसे प्रिय दोस्त अब्दुल कादिर बेंच मेट भी था। उसको खलील नाम के लड़के से बहुत खुंदक थी और वह उसको सबक सिखाने के लिए मुझे अक्सर उकसाया करता। जैसे ही कक्षा खत्म हुई और हम बाहर आए, मैंने खलील को मुक्का जड़ दिया, कुछ लात-घूंसे भी चल निकले। सुश्री फर्नांडीज़ भागती हुई आईं और हमारी लड़ाई रुकवाई, वे मेरे इस व्यवहार से हैरान थीं क्योंकि इससे पहले मार-धाड़ की ओर मेरा झुकाव कभी नहीं रहा। अलबत्ता उन्होंने यह घटना प्रिंसिपल के ध्यानार्थ नहीं लाई और मैं बेंत से पिटने से बच गया! अलबत्ता हम सीढ़ियां नहीं चढ़ पाए, जहां मेरी छठी कक्षा थी और सुश्री गोम्ज़ हमारी अध्यापिका थीं। मुझे याद हो आया कि हमें 'बुद्धि और बुद्धिमत्ता' पर निबंध लिखने को कहा गया था। मेरा निबंध सबसे बढ़िया रहा और पूरी क्लास को पढ़कर सुनाया गया- पाठकगण कृप्या मेरी इस शेखी को क्षमा करें! साइकिल स्टैंड से होते हुए हम खाली जगह पहुंचे जहां पर टक-शॉप हुआ करती थी। खेल का मैदान बहुत सुरूचिपूर्ण ढंग से व्यवस्थित था और एक नया स्टेडियम बन चुका था, नर्सरी कक्षाओं के लिए नया भवन भी। परिसर के अंदर रिहायशी ब्लॉक, जहां फादर और ब्रदर्स रहा करते थे, आज भी वैसा ही था - प्रवेश निषेध क्षेत्र। मुझे फादर रेह्न, फादर हेफले, फादर होब्लर, फादर क्लीमेंट याद हैं। अधिकांश स्विस या जर्मन थे। मुझे एक पिकनिक भी याद है, जब झील पर गए और फादर होब्लर वहां तैरने लगे। उन्होंने मुझे भी तैरने को कहा, लेकिन बतौर एक जर्मन उन्हें हैरानी हुई कि मुझे तैरना नहीं आता। अगले दिन वे मुझे स्विमिंग पूल लेकर गए, तीन-चार दिनों में मैं तैर रहा था! अध्यापकों की छात्रों के प्रति इस कदर प्रतिबद्धता थी। हमने बहुत सारी पिकनिक मनाईं और पूना के आसपास के लगभग सारे किलों को जाना। जब पिम्परी में पहली फैक्टरी लगी तो हमें दिखाने ले जाया गया- आज पूना एक घना औद्योगिक शहर बन चुका है। पूना में नेशनल डिफेंस एकेडमी तब भी थी और छुट्टी के दिन कैडेट्स को नीले-ग्रे कॉम्बिनेशन सूट में देखते तो हमें बहुत जलन होती। यहां मैं एक बात का जिक्र करना चाहूंगा जो आजकल एक गर्मागर्म विषय है - धर्म परिवर्तन। अपने तमाम स्कूली काल में हमें स्कूल परिसर में बने गिरजाघर में जाने के लिए कभी प्रेरित नहीं किया गया और सुबह की प्रार्थना भी धर्म-निरपेक्ष थी। एक बार भी किसी के मन में, यहां तक कि अपरोक्ष भाव से भी, इस बारे में संशय नहीं आया। मेरी पत्नी स्वयं लखनऊ के लोरेटो कान्वेंट स्कूल से पढ़ी हैं - वहां के लिए भी यही बात सच है। हो सकता है कि उत्तर-पूरबी राज्यों या जनजातीय क्षेत्र में यह कहीं होता हो, लेकिन उन कॉन्वेंट स्कूलों में कभी नहीं, जहां से हम में से अधिकांश पढ़े हैं। अब समय हो चला विदा लेने का, उन पुरानी यादों के सफर से निकल कर फिर से वर्तमान काल की हकीकत में लौटने का। इस विद्यालय ने मुझे सिखाया-पढ़ाया और वह ज्ञान और बुद्धिमत्ता प्रदान की जिसके सहारे मैं जिंदगी की चुनौतियों से लड़ पाया। इसने मुझे वह मूल्य दिए जो समय के साथ और दृढ़ होते चले गए और जीवन रूपी आंच की भट्ठी में तपने योग्य बनाया। खुशी या ग़म की घड़ियों में, इन्होंने मुझे जिंदगानी के तमाम उतार-चढ़ावों के असर से एक सुरक्षा आवरण की तरह बचाया है। कामना है कि सेंट विन्सेंट से पढ़कर निकलने वाली हरेक पीढ़ी इसी प्रकार सशक्त बने और अपनी मातृ-शिक्षा संस्था के प्रति शुक्रगुज़ार रहे।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल,/ संघ लोक सेवा आयोग अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

पीड़ित गाय पालक आर्थिक मदद के हकदार

इंद्रजीत सिंह

लगता है लंपी त्वचा बीमारी फिलहाल चली तो गई परन्तु इससे पशुपालकों को जो तगड़ा आर्थिक झटका लगा है उसकी पीड़ा जाने में बहुत समय लगेगा। उत्तर पश्चिम के प्रदेशों की लाखों गाय व बैल इसकी चपेट में आ गए। गुजरात के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश आदि में कुल मिलाकर लाखों दुधारू गाय मर चुकी और जो बीमारी के बाद बच गईं वह भी दूध से सूख गई हैं। यद्यपि सबसे ज्यादा मृत्यु दर राजस्थान में थी परन्तु हरियाणा व पंजाब में भी बहुत बड़ी संख्या में गाय मरी हैं। हरियाणा में यमुनानगर, अंबाला, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी आदि में लंपी का सर्वाधिक कहर देखा गया। लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) गत वर्षों के दौरान पहले भी कहीं-कहीं आती रही परंतु इसका गंभीर संज्ञान पशुपालन विभाग ने भी नहीं लिया।यह देखा गया है कि जिन जिलों में बीमारी का प्रकोप ज्यादा था वहां पशु चिकित्सालयों में स्टाफ तैनात नहीं है। ग्रामीण पशु धन विकास सहायक एक महत्वपूर्ण पद होता है। हरियाणा के लंपी प्रभावित क्षेत्रों में 25-30 प्रतिशत पदों पर ही उनकी तैनाती है। लंपी से बनने वाले घावों में बैक्टीरिया संक्रमण को रोकने हेतु, फिनाइल, पट्टी और तो और लाल दवाई तक भी पशु चिकित्सालयों में उपलब्ध नहीं रही। इस संबंध में लंपी से हुई आर्थिक बदहाली के लिए क्या सरकार की जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? विडंबना है कि समय रहते इस बीमारी का संज्ञान लेकर नियंत्रित करने के कदम उठाने में केंद्र व राज्य सरकारों ने अपनी विफलता को अभी तक स्वीकार नहीं किया। यही नहीं बल्कि पीड़ित पशुपालकों को हुए नुकसान की पूर्ति की दिशा में सरकारी आर्थिक मदद दिए जाने का आज तक उल्लेख तक नहीं किया है। यह घोर संवेदनहीनता उसी 'गौमाता' के लिए है जिसका भरपूर दोहन करने वाली राजनीति आज सत्ता पर काबिज भी है। यमुनानगर में एक डेयरी में 17 गायें मर गईं। इस जिले के हर गांव में गायों के मरने की औसत दर लगभग 8-10 आंकी गई है। करीब 8 लीटर दूध देने वाली एक गाय के मरने से लगभग 50 हजार रुपये की सीधी हानि होती है। दस हजार रुपये तक असफल इलाज में भी लग चुके होते हैं। अकेले गुजरात में एक लाख लीटर दूध प्रतिदिन का अभाव हुआ। राजस्थान में तीन से छह लाख लीटर प्रतिदिन की अभी बताई गई। गांवों के छोटे-छोटे किसान और भूमिहीन परिवार भी एक या दो गाय पाल लेते हैं और दूध बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। एकल महिला परिवार, भूमिहीन अनुसूचित जातियों या खेत मजदूर परिवारों में भी आम तौर पर गाय रखने की क्षमता है। कोविड-19 की तरह लंपी त्वचा बीमारी का कारण भी वायरस ही है। बकरी व भेड़ को होने वाले चेचक से मिलता-जुलता वायरस ही है जिसे कैप्रिपॉक्स वायरस कहते हैं। इसके संक्रमण से गाय ज्यादा शिकार होती हैं परंतु कहीं-कहीं भैंसों पर मामूली प्रभाव देखा गया है। आम पशुपालकों में इसके बारे में न केवल अनभिज्ञता है बल्कि तमाम तरह के अंधविश्वास और भ्रांतियां भी हैं। बहुत सारे लोगों ने पशुपालकों से डर के चलते दूध लेना बंद कर दिया। वे समझते हैं कि मनुष्यों को भी यह बीमारी लग सकती है जो कि सत्य नहीं है। वायरस संक्रमण के उपचार की अभी कोई दवा नहीं है। बकरी व भेड़ पॉक्स वैक्सीन का ही प्रयोग इस बार भी किया गया। यह बीमारी बीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध में अफ्रीका में पाई गई थी और बाद में एशिया व मध्य एशिया तथा अन्य देशों में पहुंच गई। इसे लंपी इसलिए कहा जाता है कि इससे पूरे शरीर की त्वचा पर लंप यानी गांठ हो जाती हैं। बीमार पशु को बुखार, अत्यधिक लार, मुंह के भीतर भी लंप, भूख का अभाव, दूध घटना, गर्भपात होना इत्यादि इसके मुख्य लक्षण हैं। समय पर बचाव के जतन न होने से गंभीर दशा में पशु की मृत्यु हो जाती है। लंपी का संक्रमण मच्छर, कीचड़, ततैया,

सार्वजनिक तालाब, चारे पर गिरने वाली लार से फैलता है। एक समय पर गांव के लोग 24 घंटे या अधिक अवधि तक तमाम तरह के आवागमन पर कड़ी पाबंदी लगाते थे। वह पशुओं की संक्रमित बीमारियों के लिए ही क्वारंटाइन की व्यवस्था थी। इस बार गौशाला और डेयरियों में ज्यादा गायों की मृत्यु हुई, क्योंकि यहां झुंड में पशु हैं और गौशालाओं की गाय कुपोषित और कमजोर होने के कारण बीमारियों को नहीं झेल पाती। किसान संगठनों के दबाव में महाराष्ट्र सरकार ने ही आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा है। जिनकी गाय मरी हैं उन्हें 30000 रुपये राज्य सरकार और 1000 रुपये स्थानीय निकाय देगा। सरकार को हाल में हुई तबाही से सबक सीखना चाहिए। एक विशेष पैकेज की अभी जरूरत है। पशु धन के आर्थिक नुकसान के सही आकलन पर श्वेत पत्र जारी हो और प्रभावित पशुपालकों को आर्थिक सहायता दी जाए। साथ ही शत-प्रतिशत पशु धन का वैक्सीनेशन सुनिश्चित हो। सभी पशुओं का मामूली प्रीमियम पर बीमा हो, बैंक के कर्ज़ माफ हों, पशु चिकित्सालयों में पूरे डाक्टर व अन्य स्टाफ हो, बढ़े हुए लागत मूल्य के अनुसार दूध के रेट बढ़ाए जाएं। किसानों को को-ऑपरेटिव ताने बाने का निर्माण करना होगा।

(चिंतन-मनन)

मन का क्रिय

एक प्रोफेसर अपने कमरे में बैठे थे। उनके पास एक व्यक्ति आकर बोला धन्यवाद आप जैसा परिश्रमी और योग्य प्रोफेसर मैंने नहीं देखा। आपके परिश्रम से ही मेरा लड़का उत्तीर्ण हो सका है। सौ-सौ साधुवाद! इतने में दूसरा व्यक्ति आकर बोला आप जैसा परिश्रम से जी चुराने वाला प्रोफेसर मैंने कहीं नहीं देखा। आपके कारण ही मेरा लड़का अनुत्तीर्ण हुआ। पहले व्यक्ति की बात सुनकर प्रोफेसर प्रसन्नता से झूम उठा और दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर वह विषण्ण हो गया। यह सारा खेल मन का है। एक घटना मन के अनुकूल थी तो प्रसन्नता का प्रवाह चल पड़ा। वहीं दूसरी घटना मन के प्रतिकूल थी तो विषण्णता का वातावरण बन गया। जब भोजन अच्छा बनता है तो पत्नी को उसके लिए सौ-सौ साधुवाद दिया जाता है। जब कभी भोजन स्वादिष्ट नहीं बनता या नहीं लगता तब परोसी हुई थाली को ठोकर भी मार दी जाती है। यह सारा मन का कार्य ही होता है। भोजन सिर्फ भोजन होता है। पदार्थ सिर्फ पदार्थ होता है। उसमें स्वादिष्ट या अस्वादिष्ट का आरोपण हम स्वयं करते हैं हमारा मन करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एचबीओ मैक्स, डिस्कवरी प्लस स्ट्रीमिंग सेवा अब सिर्फ मैक्स कहलाएगी

सैन फ्रांसिस्को। वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी (डब्ल्यूबीडी) जल्द ही डिज्नी प्लस और एचबीओ मैक्स की संयुक्त स्ट्रीमिंग सेवा लॉन्च करेगा, जिसे सिर्फ मैक्स कहा जा सकता है।सीएनबीसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि संयुक्त प्लेटफॉर्म का अपेक्षित नाम, मैक्स कंपनी के वकीलों द्वारा जांचा जा रहा है। कुछ वरिष्ठ अधिकारी अभी भी अंतिम नाम पर बहस कर रहे हैं, इसलिए नाम बदल सकता है, लेकिन मैक्स प्रथम पसंद है। डब्ल्यूबीडी के ब्रांड अलग-अलग टाइलों के रूप में दिखाई देने के साथ, एप्लिकेशन स्वयं डिज्नी प्लस के प्लेटफॉर्म जैसा होगा। एचबीओ, डिस्कवरी, डीसी कॉमिक्स और वार्नर ब्रदर्स प्लेटफॉर्म के लैंडिंग हब में से एक होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि डब्ल्यूबीडी के एक प्रवक्ता ने उल्लेख किया कि एक नाम पर अभी भी चर्चा की जा रही है। पिछले महीने, डब्ल्यूबीडी ने अगले साल के वसंत में उम्मीद से पहले संयुक्त स्ट्रीमिंग सेवा शुरू करने की योजना की घोषणा की थी। कंपनी के अर्निंग कॉल में डब्ल्यूबीडी के प्रेसिडेंट और सीईओ डेविड जस्लाव ने जल्दी आगमन की घोषणा की। स्ट्रीमिंग सेवाओं के संयुक्त रूप से लगभग 95 मिलियन ग्राहक हैं, जिनमें से अधिकांश एचबीओ और एचबीओ मैक्स के हैं। जस्लाव ने कहा कि नई सेवा के अलावा, डब्ल्यूबीडी ने 2023 में अपनी स्वयं की मुफ्त विज्ञापन-समर्थन स्ट्रीमिंग टीवी सेवा (एफएएसटी) शुरू करने की योजना बनाई है।

उबर ईट्स बिना सहमति के अमेरिकी रेस्तरां को सूचीबद्ध करने के लिए लाखों का भुगतान करेगा

सैन फ्रांसिस्को। राइड-हेलिंग प्रमुख उबर अमेरिका में अतिरिक्त कमीशन शुल्क चार्ज करने के साथ-साथ सहमति के बिना खाद्य वितरण ऐप उबर ईट्स और पोस्टमेट्स फूड डिलीवरी ऐप में स्थानीय रेस्तरां को सूचीबद्ध करने के लिए शिकागो शहर के साथ निपटान के रूप में लाखों डॉलर का भुगतान करेगा।टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, 2,500 से अधिक शिकागो रेस्तरां उबर निपटान से लाभान्वित होने के पात्र हैं। 5 मिलियन डॉलर से अधिक की राशि शिकागो के उन रेस्तराओं को नुकसान का भुगतान करने के लिए दी जाएगी जो प्रभावित हुए थे और इस मामले में शहर की दो साल की जांच के दौरान हुई लागत के लिए 1.5 मिलियन डॉलर शिकागो को दिए जाएंगे। उबर उन रेस्तराओं को अतिरिक्त 2.25 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगा, जिन पर कथित रूप से शुल्क सीमा से अधिक कमीशन लिया गया था और 500,000 डॉलर उन रेस्तराओं को भुगतान करेगा, जिन्हें उबर ने सहमति के बिना अपने प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया था। उबर प्रभावित रेस्तरां को कमीशन में छूट के रूप में 2.5 मिलियन डॉलर का भुगतान भी करेगा। शहर ने यह भी आरोप लगाया कि उबर ने भ्रामक विज्ञापन प्रथाओं में भाग लिया। रिपोर्ट में कंपनी के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है, हम शिकागो में उबर ईट्स रेस्तरां भागीदारों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस मामले को पीछे छोड़ते हुए खुशी हो रही है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आयी है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 208.24 अंक करीब 0.33 फीसदी नीचे आकर 62626.36 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 58.30 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी टूटकर 18642.75 अंक पर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस शेयरों की कीमतों में तेजी से आये बदलाव से बाजार में सपाट कारोबार हुआ था। इस प्रकार कारोबार के अंत में सेंसेक्स 33.90 अंक करीब 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ ही 62834.60 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 4.90 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी टूटकर 18701 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील डॉ. रेड्डीज इन्फोसिस भारतीय स्टेट बैंक भारती एयरटेल आईसीआआईसीआई बैंक इंडसइंड बैंक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टेक महिंद्रा एचसीएल टेक्नोलॉजीज और मारुति के शेयर मुख्य रूप से नीचे आने के साथ ही नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर अल्ट्राटेक सीमेंट पावरग्रिड और नेस्ले के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग के हैंगसेंग को नुकसान हुआ जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में रहा। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार भी गत दिवस गिरावट पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.68 फीसदी की बढ़त के साथ ही 83.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

वहीं विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 23 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान को रिवाइज करते हुए उसे बढ़ा दिया है। विश्व बैंक ने 2022-23 के लिए भारत के वृद्धि दर के अपने अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है।

फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर को 7 प्रतिशत पर रखा बरकरार

नई दिल्ली।

फिच रेटिंग्स ने अपने ग्लोबल इकॉनोमिक आउटलुक में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 7 फीसदी पर बरकरार रखा है।रेटिंग एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत के सबसे तेजी से बढ़ते उभरते बाजारों में उभरने की संभावना है। हालांकि इसी समय, एजेंसी ने अगले दो वित्तीय वर्षों के लिए विकास अनुमानों को कम कर दिया है। ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक के अपने दिसंबर एडिशन में, फिच ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी में 7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था, लेकिन यह भी कहा कि यह 2023-24 में 6.2 प्रतिशत और 2024-25 में 6.9 प्रतिशत तक धीमा हो सकता है। सितंबर में, फिच ने चालू वित्त वर्ष के लिए 7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया, इसके बाद 2023-24 में 6.7 प्रतिशत और 2024-25 में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

विश्व बैंक के अर्थशास्त्री ने कहा, दूसरे देशों की तुलना में रुपए का बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली। दूसरे उभरते बाजारों की तुलना में रुपया ने 2022 में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। विश्व बैंक के अर्थशास्त्री ध्रुव शर्मा ने मंगलवार को ये बात कही। पिछले एक साल में, रुपया लगभग 10 प्रतिशत गिरा है, हालांकि यह अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में एक बड़ा आंकड़ा लग सकता है, लेकिन भारत ने खराब प्रदर्शन नहीं किया है। शर्मा ने विश्व बैंक के इंडिया डेवलपमेंट अपडेट के विमोचन के अवसर पर ये बात कही। उन्होंने कहा कि इसके चलते सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो गई। यूएस फेड द्वारा प्रमुख दरों में लगातार बढ़ोतरी से डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत पर असर पड़ा है। पिछले एक महीने में रुपया डॉलर के मुकाबले 83 के निचले स्तर पर पहुंच गया और फिलाहल 82 के दायरे में मंडरा रहा है।

दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है टेस्ला

-कभी छह अरब डॉलर में टेस्ला बेचने को तैयार हो गए थे एलन मस्क

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दुनिया भर में मशहूर उदयोग पति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला आज दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। मस्क इस कंपनी के सीईओ हैं। इस कंपनी में उनकी करीब 14 फीसदी हिस्सेदारी है।इसके शेयरों में आई तेजी की वजह से ही एलन मस्क दुनिया के सबसे रईस इंसान बने हैं। एक समय मस्क इस कंपनी को सिर्फ छह अरब डॉलर में बेचने को तैयार हो गए थे? आज मस्क की यह कंपनी मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी कंपनी है। इसका मार्केट कैप 606.20 अरब डॉलर है। मस्क ने 2003 में टेस्ला की स्थापना की थी लेकिन 2013 में कंपनी गहरे संकट में फंस गई थी। मस्क इसे बेचना नहीं चाहते थे लेकिन उनके पास और कोई विकल्प नहीं था। वह इसे बेचने के लिए गूगल के कोफाउंडर और अपने दोस्त लैरी पेज से बात कर रहे थे कि तभी चमत्कार हो गया। पेज ने स्थिति के समझा और दोनों ने डील पर बातचीत आगे बढ़ाने का फैसला किया। मस्क चाहते थे कि कंपनी बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक कार बनाने का काम आगे बढ़ाए। मस्क की शर्त थी कि वह आठ साल तक कंपनी उनके कंट्रोल में रहेगी या जब तक वह बड़े पैमाने पर गाड़ियां बनाना शुरू नहीं कर देती है। साथ ही उन्होंने फैक्ट्री के विस्तार के लिए पांच अरब डॉलर की पूंजी भी मांगी। गूगल के कुछ वकील इन मांगों से सहमत नहीं थे लेकिन मस्क और पेज ने बातचीत जारी रखी। उस समय टेस्ला की वैल्यू छह अरब डॉलर थी। अगर यह सौदा हो जाता तो गूगल इतनी रकम में टेस्ला को खरीद लेती। अभी मस्क पेज और गूगल के वकीलों के बीच इस डील पर बातचीत चल ही रही थी कि एक चमत्कार हो गया। टेस्ला ने 500 लोगों को सैल्समेन की जिम्मेदारी दी हुई थी। अचानक कंपनी की कारें धड़ाधड़ बिकने लगीं। टेस्ला के अकाउंट में केवल दो हफ्ते का कैश रह गया था। लेकिन 14 दिनों में कंपनी ने बड़ी संख्या में कारें बनाई और बेची। कंपनी ने लिस्ट होने के बाद पहली बार प्रॉफिट कमाया था। तिमाही के दौरान कंपनी ने 4900 मॉडल एस सिडैन कारें डिलीवर कीं। इससे कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। जुलाई में इसकी कीमत 30 डॉलर से 130 डॉलर पहुंच गई। तिमाही नतीजे घोषित करने के कुछ ही दिन बाद कंपनी ने 46.5 करोड़ डॉलर का सरकारी लोन ब्याज समेत चुकता कर दिया। अचानक कंपनी के पास ढेर सारा कैश आ गया। स्टॉक में तेजी से कस्टमर्स का भी भरोसा बढ़ गया। अब कंपनी की कारें तेजी से बिक रही थीं और टेस्ला की वैल्यू भी बढ़ रही थी। अमेरिकी बिजनस कॉलमनिस्ट और लेखक एश्ली वेंस की किताब एलन मस्कः हाउ द बिलेनियर सीईओ आफ स्पेसएक्स एंड टेसला इंज शापिंग अवर फयूचर के मुताबिक फरवरी 2013 में टेस्ला गहरे संकट में थी। कंपनी की कारें बिक ही नहीं रही थी। कस्टमर ऑर्डर कैंसल कर रहे थे। कंपनी का प्रॉडक्शन बंद करने की नौबत आ गई थी। कंपनी ने मस्क से यह बात छिपाने की कोशिश की। लेकिन जब उन्हें इसका पता लगा तो वह एक्शन में आ गए। उन्होंने डेमलर में काम कर चुके जेरोन गुलेन को सर्विस से जुड़े मुद्दों को देखने को कहा। कई सीनियर अधिकारियों की छुट्टी कर दी और बड़ी संख्या में जूनियर स्टाफ को प्रमोट कर दिया। अप्रैल के पहले हफ्ते में मस्क ने पेज से संपर्क साधा। मस्क ने पेज से कहा कि टेस्ला का कुछ हफ्ते भी टिकना मुश्किल है। हालत यह हो गई कि कंपनी को अपनी फैक्ट्री बंद करनी पड़ी है। लोगों से यह कहा गया कि मेंटनेंस के लिए फैक्ट्री को बंद किया गया है।

सरकार चीनी निर्यात का कोटा बढ़ाएगी

- सरकार ने फिलहाल 1.5 लाख मीट्रिक टन का अतिरिक्त कोटा जारी किया

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सरकार चीनी मिलों के लिए निर्यात कोटा बढ़ाने पर विचार कर रही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक सरकार ने इस बार कम कोटा दिया जाने पर आपत्ति जताई थी। सरकार इन्हें 3 से 5 लाख मीट्रिक टन का अे ति रिक्त कोटा जारी कर सकती है। सरकार ने फिलहाल 1.5 लाख मीट्रिक टन का अे ति रिक्त कोटा जारी किया है। सरकार 3 से 5 लाख मीट्रिक टन अे ति रिक्त कोटा जारी करेगी। इस साल सरकार ने 60 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात का कोटा तय किया है। महाराष्ट्र और कर्नाटक सरकार ने इस साल कम निर्यात कोटा दिए जाने पर नाराजगी जताई थी। उत्तर प्रदेश की चीनी मिलें प्रीमियम पर कोटे को बेच रही हैं। गौरतलब है कि देश का चीनी उत्पादन अक्टूबर-नवंबर में मामूली वृद्धि के साथ 47.9 लाख टन रहा है। भारतीय चीनी मिल संघ ने 2 दिसंबर को यह जानकारी दी थी। चीनी मार्केटिंग वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। इस्मा ने बयान में कहा कि चालू मार्केटिंग ईयर 2022-23 में 30 नवंबर तक चीनी का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि के 47.2 लाख टन की तुलना में बढ़कर 47.9 लाख टन रहा है। इस्मा के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन 2022-23 के बाजार सत्र के पहले दो माह के दौरान 20 लाख टन रहा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 20.3 लाख टन था।

भारत को 2023 तक एक लाख ड्रोन पायलटों की जरूरत होगी : अनुराग सिंह ठाकुर

चेन्नई। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा है कि भारत को ड्रोन स्किल हब में बदलने के लिए 2023 तक कम से कम एक लाख ड्रोन पायलटों की जरूरत होगी। केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर अग्नि कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में ड्रोन स्टार्ट-अप गरुड़ एयरोस्पेस की ड्रोन यात्रा को हरी झंडी दिखाने और कंपनी के पहले वर्चुअल ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का उद्घाटन के लिए पहुचे थे। मंत्री ने यहां पर कहा कि किसान ड्रोन कृषि क्षेत्र में नए युग के विकास की शुरूआत है और यह न केवल किसानों को प्रभावित करेगा बल्कि विभिन्न अन्य लोगों के लिए रोजगार भी पैदा करेगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कैसे हिमाचल प्रदेश में कोविड-19 महामारी के दौरान कृषि सामग्री पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। मंत्री ने ऑपरेशन का अनुभव हासिल करने के लिए एक ड्रोन भी उड़ाया और 10 ड्रोन उन युवा उद्यमियों को सौंपे जिन्होंने ड्रोन सेवा प्रदाता बनने का फैसला किया है। गरुड़ एयरोस्पेस के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अग्निश्वर जयप्रकाश ने कहा कि हमारी ड्रोन यात्रा किसानों को तकनीक के बारे में अधिक समझने में मदद करेगी और उन्हें फसल उगाने के बारे में बेहतर दृष्टिकोण देगी।

गूगल ने पिक्सल डिवाइसेज के लिए रिलीज किया नया फीचर

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

टेक दिग्गज गूगल ने पिक्सल डिवाइसों के लिए नई सुरक्षा और गोपनीयता सेटिंग्स सहित नए फीचर्स को शुरू करना शुरू कर दिया है।कंपनी ने सोमवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि टेक दिग्गज ने गूगल वन द्वारा पिक्सल 7 और 7 प्रो के लिए बिना किसी अतिरिक्त लागत के वीपीएन शुरू किया। उपयोगकर्ता अब एक ही स्थान पर अपनी सुरक्षा और गोपनीयता सेटिंग्स, जोखिम के स्तर और अन्य जानकारी की समीक्षा कर सकते हैं, जिससे उनके फोन, खातों और पासवर्ड की सुरक्षा करना आसान हो जाता है। गूगल ने पिक्सल 7 या पिक्सल 7 प्रो में क्लियर कॉलिंग फीचर भी शुरू किया, जो टेंसर जी2 चिप की मदद से दूसरे कॉलर की आवाज को बढ़ाता है और उनके बैकग्राउंड के शोर को कम करता है। पिक्सल 6 और नेवर के साथ, रिकॉर्डर अब प्रत्येक स्पीकर को पहचानता है और लेबल करता है जब कोई उपयोगकर्ता किसी अंग्रेजी वार्तालाप को रिकॉर्ड और ट्रांसक्राइब करता है। स्पीकर बदलने पर यह लाइन ब्रेक भी डालता है। इसके अतिरिक्त, रिकॉर्डिंग समाप्त होने के बाद उपयोगकर्ता अपने नाम के साथ स्पीकर को जल्दी से री-लेबल भी कर सकते हैं। फिटबिट स्लीप प्रोफाइल फीचर को पिक्सल वॉच में रिलीज किया गया है, जो बेहतर आराम के लिए टिप्स देता है।कंपनी ने कहा, हर महीने कम से कम 14 रातों के लिए अपनी पिक्सल वॉच पहनें और आप अगले महीने के पहले दिन अपने परिणाम देखेंगे। पिक्सल 6 और 6 प्रो में खांसी और खर्राटों का पता लगाने वाली सुविधाओं के साथ आसानी से सांस लें। इन सुविधाओं के साथ, पिक्सल उपयोगकर्ताओं को यह समझने में सहायता कर सकता है कि रात के दौरान खाँसी और खर्राटों की गतिविधि जैसी उनकी नींद को कैसे प्रभावित करता है। डिजिटल कार की, एक सुविधा जो उपयोगकर्ताओं को केवल अपने फोन का उपयोग करके एक संगत कार को लॉक, अनलॉक और शुरू करने की अनुमति देती है, अब इसे उन दोस्तों और परिवार के साथ साझा किया जा सकता है जिन्हें अपने वाहन तक पहुंच की आवश्यकता है। लाइव ट्रांसलेशन फीचर अब मैसेजिंग एप्लिकेशन में टेक्स्ट को पांच और भाषाओं अरबी, फारसी, स्वीडिश, वियतनामी और डेनिश में अनुवाद कर सकता है।

कैनरा बैंक ने एटीएम से पैसे निकालने की सीमा बढाई

-डेबिट कार्ड से नगदी निकालने की सीमा 40 हजार से बढ़ाकर 75 हजार रूपए की

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सरकारी बैंक केनरा बैंक ने एटीएम से कैश निकालने पीओएस और ई-कॉमर्स लेनदेन के नियम में बदलाव किया है। केनरा बैंक ने एटीएम से नगदी निकालने की सीमा बढ़ा दी है। अब केनरा बैंक के खाताधारक अपने डेबिट कार्ड से पहले के मुकाबले अधिक नगदी निकाल सकेंगे। केनरा बैंक की ओर से ट्वीट वेबसाइट कर इसकी जानकारी दी गई है। वहीं ग्राहकों को ईमेल एसएमएस और बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर इस नए नियम के बारे में जानकारी दी गई है। बैंक ने इन बदलावों को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला किया है। केनरा बैंक की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक अब बैंक के खाताधारकों को उनके डेबिट कार्ड के वेरिएंट के मुताबिक उसके ट्रांजैक्शन की सीमा को बढ़ाने का फैसला किया है। बैंक के नए नियम के मुताबिक क्लासिक डेबिट कार्ड से नगदी निकालने की सीमा 40 हजार रूपए से बढ़ाकर 75 हजार रूपए कर दी है। बैंक ने डेबिट कार्ड धारकों के लिए डेली पीओएस कैप को एक लाख रूपए से बढ़ाकर दो लाख रूपए कर दिया है। इसके अलावा बैंक ने प्लेटिनम या बिजनेस कार्ड धारकों की लेनदेन की सीमा 50 हजार रूपए से बढ़ाकर एक लाख रूपए प्रतिदिन कर दिया है। वहीं पीओएस से लेनदेन की सीमा को 2 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया है। बैंक ने कहा है कि उन्होंने आरबीआई की गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए कार्ड ट्रांजैक्शन की सुरक्षा बढ़ाई है। बैंक ने डेबिट कार्ड के एनएफसी (कॉन्टैक्सलेस) की रोजाना लिमिट में कोई बदलाव नहीं किया है। इसकी लिमिट को क्लासिक कार्ड और प्लेटिनम कार्ड के लिए 25000 रुपए ही रखा गया है। बैंक ने इन कार्ड धारकों के लिए पीओसी कैप में बढ़ोतरी कर बड़ी राहत ही है।

एशिया के परोपकारी कार्य करने वालों की सूची में भारत के तीन उद्योगपति शामिल

अडानी शिव नादर और अशोक सूता के साथ मलेशियाई-भारतीय कारोबारी ब्रह्मल वासुदेवन और उनकी पत्नी को किया गया शामिल

सिंगापुर । (एजेंसी)

फोर्ब्स की एशिया की परमार्थ कार्य करने वाले नायकों की सूची में भारत के अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी शिव नादर और अशोक सूता के साथ-साथ मलेशियाई-भारतीय कारोबारी ब्रह्मल वासुदेवन और उनकी अधिवक्ता पत्नी शांति कंडिया को शामिल किया गया है। एशिया के परमार्थ नायकों की सूची का 16वां संस्करण मंगलवार को यहां जारी किया गया। फोर्ब्स ने बयान में कहा कि बिना किसी रैंकिंग वाली इस सूची में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अग्रणी परोपकारी कार्य करने वाले लोगों को शामिल किया जाता है। अडाणी ने इस साल जून में 60 साल की उम्र पूरी होने पर 60000 करोड़ रुपए परमार्थ कार्यों पर खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके बाद उन्हें इस सूची में शामिल किया गया है। यह पैसा स्वास्थ्य सेवा शिक्षा और कौशल विकास पर खर्च किया जाएगा। परमार्थ कार्यों पर यह राशि अडाणी फाउंडेशन के माध्यम से खर्च की जाएगी। अडाणी फाउंडेशन का गठन 1996 में किया गया था। हर साल यह फाउंडेशन भारत में 37 लाख लोगों की मदद करता है। अरबपति शिव नादर देश के प्रमख दानदाताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने शिव नादर फाउंडेशन के माध्यम से एक दशक के दौरान एक अरब डॉलर परमार्थ कार्यों में लगाए हैं। इस साल उन्होंने फाउंडेशन को 11600 करोड़ रुपए का दान दिया है। इस फाउंडेशन की स्थापना 1994 में हुई थी। नादर ने एचसीएल टेक्नोलॉजीज की सह-स्थापना की थी। प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गज अशोक सूता ने चिकित्सा अनुसंधान क्षेत्र के न्यास को 600 करोड़ रुपए देने की प्रतिबद्धता जताई है। इस न्यास का गठन उन्होंने 2021 में किया था। क्वालालंपुर की निजी इक्विटी कंपनी क्रिएडर के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मलेशियाई-भारतीय ब्रह्मल वासुदेवन और उनकी अधिवक्ता पत्नी शांति कंडिया क्रिएडर फाउंडेशन की मदद से मलेशिया और भारत में स्थानीय समुदायों को समर्थन देते हैं। यह एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसकी सह-स्थापना 2018 में की गई थी। इस साल मई में उन्होंने एक शिक्षण अस्पताल के निर्माण के लिए 1.1 करोड़ डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है।

अडानी बने एनडीटीवी के सबसे बड़े हिस्सेदार

नई दिल्ली । (एजेंसी)

अडानी मीडिया नेटवर्क्स ने एनडीटीवी के खुले ऑफर में आठ प्रे तिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी प्राप्त कर ली है और इससे मीडिया कंपनी में उसकी हिस्सेदारी 37 फीसदी हो गई है जो मीडिया कंपनी के संस्थापक प्रणय रॉय और राधिका रॉय के पास मौजूद 32 फीसदी से अधिक है। गौरतलब है कि शुरू में अडानी मीडिया नेटवर्क्स ने एनडीटीवी में 29 फीसदी का अधिग्रहण किया था। इसके बाद में भारत के अधिग्रहण नियमों के अनुरूप अतिरिक्त 26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए खुली पेशकश की। ओपन ऑफर सोमवार को बंद हो गया है। प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इनगवर्न के संस्थापक श्रीराम सुब्रमण्यन ने कहा कि अडानी और रॉय दोनों को एनडीटीवी के प्रमोटर के रूप में लिस्ट किया जाएगा। इसके साथ ही अब अधिक हिस्सेदारी के साथ अडानी को एनडीटीवी के बोर्ड से मौजूदा निदेशकों को हटाने या मीडिया कंपनी में नए निदेशकों की

नियुक्ति का प्रस्ताव देने का अधिकार भी मिल गया है। ये प्रस्ताव सामान्य प्रस्तावों के अंतर्गत आते हैं और इसके लिए अधिकांश शेयरधारकों के अनुमोदन की आवश्यकता होती है। वर्तमान में प्रणय रॉय और उनकी पत्नी दोनों एनडीटीवी के कार्यकारी सह-अध्यक्ष हैं जिसकी स्थापना उन्होंने 1988 में की थी। हालाँकि वे अपनी शेयरहोल्डिंग के आधार पर बोर्ड में बने रह सकते हैं।

37वां डीएई हॉकी टूर्नामेंट हैदराबाद में शुरू

हैदराबाद। न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स (एनएफसी) द्वारा आयोजित पांच दिवसीय 37वां डीएई हॉकी टूर्नामेंट मंगलवार से यहां मिल्खा सिंह क्रीड़ा प्रांगण में शुरू हुआ। रामेश्वरम, पुष्कर, नागार्जुन, गोलकुंडा, अजंता, एलोरा, द्वारका और कोणार्क की टीमें टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं। हॉकी टूर्नामेंट के मैच तेलंगाना हॉकी संघ/अंपायरों/रेफरियों के समन्वय से आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर टूर्नामेंट का उद्घाटन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी, परमाणु ईंधन परिसर (एनएफसी), हैदराबाद, डॉ दिनेश श्रीवास्तव और गेस्ट ऑफ ऑनर एलॉयसियस एडवर्ड्स, पूर्व हॉकी ओलंपियन द्वारा किया गया था। सभी टीमों (प्रतियोगिताओं) का मार्च-पास्ट किया गया और मुख्य अतिथि ने सभी टीम प्रबंधकों/कप्तानों द्वारा शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। पहला उद्घाटन मैच गोलकुंडा और पुष्कर के बीच खेला गया।

बीडब्ल्यूएफ की साल की सर्वश्रेष्ठ पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी चुनी गई मनीषा, प्रणय और भगत चूके

नई दिल्ली।

युवा भारतीय खिलाड़ी मनीषा रामदास को मौजूदा सत्र में शानदार प्रदर्शन के लिये विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी चुना गया। बीडब्ल्यूएफ ने सोमवार को 17 वर्षीय मनीषा को विजेता घोषित किया। मनीषा ने विश्व चैंपियनशिप के एसयू5 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2022 में कुल मिलाकर 11 स्वर्ण और पांच कांस्य पदक जीते। इस वर्ग में अन्य दावेदारों में भारत की नित्या श्री सुमति और मानसी जोशी, सेरिना सातोमी, गिउलियाना पोवेदा फ्लोरेंस और पिलार जौरगुई शामिल थीं। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और थॉमस कप विजेता एचएस प्रणय हालांकि बीडब्ल्यूएफ पुरस्कारों की दौड़ में पिछड़ गए। इस साल विश्व चैंपियनशिप में चौथी बार एकल स्वर्ण पदक जीतने वाले भगत को बीडब्ल्यूएफ के साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी के वर्ग में नामित किया गया था लेकिन यह पुरस्कार डब्ल्यूएच2 वर्ग में विश्व चैंपियन और मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन डिकी काजिवारा को मिला जिन्होंने कुल 10 स्वर्ण और चार कांस्य पदक जीते। काजिवारा और भगत के अलावा इस पुरस्कार के लिए चीह लीक होउ, लुकास माजुर, च्यु मान काई और चोई जुंगमैन नामित थे। सक्षम बैडमिंटन खिलाड़ियों के पुरस्कार में ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन को पुरुष एकल में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया जबकि झेंग सी वेई और हुआंग या किओंग को सर्वश्रेष्ठ जोड़ी का पुरस्कार मिला। बीडब्ल्यूएफ ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक रिपोर्ट में कहा कि एक्सेलसन ने एक नवंबर 2021 से 31 अक्टूबर 2022 की पात्रता अवधि के दौरान नौ खिताब जीते। उन्होंने इस दौरान दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप खिताब भी जीता। साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकल खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची को चुना गया जिन्होंने नौ महीने के भीतर लगातार दो विश्व खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की। उन्होंने ऑल इंग्लैंड और जापान ओपन का भी खिताब जीता। इस वर्ग में अन्य दावेदार आन से यंग और ताई जू यिंग थे। साल में सबसे अधिक सुधार करने वाले खिलाड़ी का पुरस्कार फजर अलफियान और मोहम्मद रियान अर्दियांतो की जोड़ी को मिला जिन्होंने 2022 में आठ फाइनल में जगह बनाई और चार खिताब जीते। इंडोनेशिया की इस जोड़ी ने एचएस प्रणय तथा जियोंग ना यून और किम हे जियोंग की जोड़ी को पछाड़कर यह पुरस्कार अपने नाम किया। जापान के 21 वर्षीय कोडाई नेरोका को एडी चूंग साल के 'मोस्ट प्रॉमिसिंग% खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। नेरोका ने 2022 में चार फाइनल में जगह बनाई और वियतनाम ओपन का खिताब जीता।

दूसरे एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

ढाका ।

बांग्लादेश के खिलाफ बुधवार को भारतीय क्रिकेट टीम दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। पहले एकदिवसीय में हार के कारण भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। ऐसे में अब टीम इंडिया का लक्ष्य यह मैच जीतकर बराबरी पर आना रहेगा। भारतीय टीम पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी में विफल रही थी। लोकश राहुल को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज बांग्लादेशी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाया। इसके अलावा भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण भी बेहद खराब रहा था। उसने अंतिम क्षणों में अहम कैच छोड़े थे जिससे टीम के हाथ आई जीत फिसल गयी थी। वहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा था जिसे वे बरकरार रखना उतरेंगे। इस मैच में टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी रन बनाने होंगें। टीम इंडिया इस सीरीज में खिलाड़ियों के चोटिल होने से भी परेशान है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को पहले मैच में गेंदबाजी के दौरान मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। इस मैच में उनके खेलने पर फैसला मेडिकल टीम की जांच रिपोर्ट के बाद ही किया जाएगा। वहीं उमरान मलिक दूसरे एकदिवसीय के लिए उपलब्ध रहेंगे। शार्दुल का खेलना तय नहीं है। ऐसे में उमरान के अंतिम ग्यारह में शामिल होने की पूरी संभावनाएं हैं। शार्दुल को ढाका में पहले एकदिवसीय के दौरान लगातार ऐंठन का सामना करना पड़ा था। ऐसे में टीम प्रबंधन आने वाली टेस्ट सीरीज को देखते हुए उन्हें उतारने का जोखिम शायद ही ले। उमरान के टीम में रहने के बाद भी गेंदबाजी को और बेहतर बनाने टीम प्रबंधन फिट होने पर अक्षर पटेल को भी अवसर दे सकता है। अक्षर भी पसली में चोट के कारण पहले एकदिवसीय से बाहर थे। ऐसे में उनके फिट होने की संभावनाएं बेहद कम हैं। वहीं अगर वह पूरी तरह से फिट होते हैं तो शाहबाज अहमद की जगह उतरेंगे। लोकेश राहुल विकेटकीपिंग के साथ ही नंबर 4 पर बल्लेबाजी करेंगे। ऐसे में ईशान किशन को टीम में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है।

फीफा विश्ववकप : ब्राजील ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

दोहा ।

स्टार खिलाड़ी नेमार के शानदार गोलों की सहायता से ब्राजील की फुटबॉल टीम ने फीफा विश्ववकप में दक्षिण कोरियाई टीम को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अब यहां ब्राजीत का सामना क्रोएशियाई टीम से होगा। क्रोएशिया ने एक अन्य प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान को पेनाल्टी शूटआउट में हराया था। ब्राजील की टीम दक्षिण कोरियाई टीम के खिलाफ पूरे समय हावी रही। उसने मुकाबले के चारों गोल पहले हाफ में किये। वहीं कोरियाई टीम पांच बार की विजेता ब्राजीली टीम के सामने बेहद कमजोर साबित हुई। ब्राजील की ओर से मैच का पहला गोल विनीशियस जूनियर ने मैच के 7वें मिनट में ही दाग कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद स्टार युवा फुटबॉलर नेमार ने 13वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल करने के साथ ही ब्राजील की बढ़त को 2-0 कर दिया। खेल के 29वें मिनट में रिचार्लिसन ने एक शानदार गोल कर ब्राजील को 3-0 से आगे कर दिया। इसके बाद लुकस पकेटा ने 36वें मिनट में गोल कर ब्राजील की बढ़त को 4-0 कर दिया। वहीं दूसरे हाफ में कोरियाई टीम ने वापसी के कई प्रयास किए पर वह गोल करने में सफल नहीं हो पायी। मैच के 76वें मिनट में दक्षिण कोरिया की ओर से पाइक सियुंग हो ने एक गोल कर अपनी टीम की हार का अंतर कम करने का प्रयास किया ब्राजील की टीम ने 1954 के बाद पहली बार पहले हाफ में चार गोल किये हैं।

सऊदी अरब के इस क्लब से खेलते दिखेंगे रोनाल्डो, मिलेंगे 1730 करोड़ रुपए

मैड्रिड ।

मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने वाले 37 वर्षीय फुटबाल स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को सऊदी अरब के एक क्लब के साथ जुड़ने पर सालाना 21 करोड़ डॉलर सालाना वेतन देने की पेशकश की गई है। एक समाचार पत्र में यह जानकारी दी गई है। अनुबंध की यह राशि वर्ष 2022 में किसी भी सबसे अधिक भुगतान वाले एथलीटों के वेतन से दोगुनी से अधिक है। स्पेन की वेबसाइट मार्का ने दावा किया है कि 37 साल के रोनाल्डो ने भारतीय करेंसी के हिसाब से 1730 करोड़ रुपए में UAE के क्लब के साथ डील साइन की है। मुक्केबाज कैनेलो अल्वारेज़ ने सालाना 8.40 करोड़ और एनएफएल क्वार्टरबैक मैथ्यू स्टैफ़ोर्ड ने सालाना 7.2 करोड़ रूपए कमाये है। सऊदी प्रो लीग (एसपीएल) को दुनिया की शीर्ष फुटबॉल लीगों में से एक नहीं माना जाता है, लेकिन अल नासर - कथित तौर पर रोनाल्डो को अपने साथ जोड़ने वाली टीम, सऊदी अरब के अधिक कामयाब क्लबों में से एक है। दरअसल नौ प्रीमियर लीग खिताब, छह किंग्स कप, तीन क्राउन प्रिंस कप, तीन फेडरेशन कप और दो सऊदी सुपर कप जीतकर यह टीम इस समय लीग में दूसरे स्थान पर है। यह क्लब सऊदी की राजधानी रियाद में स्थित है। कई क्लबों ने हालांकि रोनाल्डो को साइन करने में रुचि व्यक्त की है। वह 819 गोल के साथ शीर्ष स्कोरिंग अंतरराष्ट्रीय

खिलाड़ी है और पांच बार चैंपियंस लीग विजेता है।

इस फुटबॉल स्टार खिलाड़ी ने अभी तक कथित प्रस्ताव की पुष्टि नहीं की है।जैसे ही यह खबर फैली कि रोनाल्डो को अल-नासर के लिए खेलने का प्रस्ताव मिल सकता है। उसकी फुटबॉल प्रबंधक फर्नांडो सैंटोस के साथ झड़प होने की भी सूचना है।रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2022 के लिए दक्षिण कोरिया के खिलाफ टीम के अंतिम ग्रुप चरण के खेल से बाहर होने के बाद नाराज हो गए। दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को पुर्तगाल को 2-1 से हरा दिया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ रोनाल्डो का अनुबंध पिछले महीने समाप्त हो गया था जब फुटबॉल स्टार ने पियर्स मॉर्गन के साथ एक साक्षात्कार में क्लब की खुले तौर पर आलोचना की थी।

संक्षिप्त समाचार

विश्व टूर फाइनल्स में छाप छोड़ने उतरेंगे स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय

बैंकॉक । भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय बुधवार से यहां शुरू हो रहे बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में पहली बार हिस्सा लेते हुए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। चोट के कारण दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बाहर होने के बाद प्रणय सत्रांत होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत के एकमात्र खिलाड़ी हैं। कोविड-19 संक्रमण के मामलों में इजाफे के बाद इस टूर्नामेंट को चीन के ग्वांग्झू से स्थानांतरित किया गया है। मौजूदा सत्र में प्रदर्शन में भारतीय खिलाड़ियों के बीच सबसे अधिक निरंतरता दिखाने वाले प्रणय को ग्रुप ए में डेनमार्क के ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन, जापान के कोडाई नेरोका और चीन के ल्यु गुआंग झू के साथ रखा गया है। हाल में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित तीसरे वरीय प्रणय ने कहा, 'मैं बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में अपने अभियान को शुरू करने को लेकर उत्सुक हूं। मैं पहली बार सत्रांत टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा।

ईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में सूर्यकुमार शीर्ष पर बराकरार गेंदबाजी में हसरंगा नंबर एक पर पहुंचे

अर्शदीप 23वीं रैंकिंग पर पहुंचे

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बल्लेबाजी रैंकिंग में टीम इंडिया के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा नंबर एक पर आ गये हैं जबकि अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दूसरे स्थान पर खिसक गये हैं। वहीं भारत के ही तेज गेंदबाज है अर्शदीप सिंह गेंदबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 23वीं रैंकिंग पर पहुंच गये हैं। सूर्यकुमार ने हाल में समाप्त हुए टी20 विश्व कप के पांच मैचों में 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए थे। वह करियर के सर्वश्रेष्ठ 869 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। वहीं पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 830 रेटिंग अंकों के साथ रैंकिंग में दूसरे जबकि न्यूजीलैंड के डेवोन कोन्वे 779 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पाक के ही कप्तान बाबर आजम 762 रेटिंग के साथ चौथे स्थान पर हैं। भारतीय टीम के उपकप्तान लोकेश राहुल पांच स्थान के लाभ के साथह ही 16वें स्थान पर हैं जबकि विराट कोहली 11वें और रोहित शर्मा 18वें स्थान पर आ गये हैं। गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो अर्शदीप चार स्थान के लाभ के साथ ही 23वें स्थान पर पहुंच गये है। वहीं पाक के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी 22 वें स्थान पर हैं। भारतीय स्पिनर आर अश्विन पांच स्थान के लाभ के साथ ही 13वें स्थान पर हैं। श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा नंबर एक पर हैं। हसरंगा ने टी20 विश्वकप में सबसे ज्यादा 15 विकेट लिए थे। अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने ऊपर आते हुए ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को शीर्ष स्थान से नीचे कर दिया है। गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में इंग्लैंड के आदिल राशिद पहुंच गये हैं। रशीद आठवें नंबर पर पहुंच गये हैं।

अबु धाबी में सफल सीजन 6 के बाद, टी10 की निगाहें ओलंपिक पर

अबु धाबी,

अबु धाबी टी10 छठे सीजन के सफल समापन के बाद, क्रिकेट के खेल में सबसे तेज प्रारूप के रूप में विकसित होता दिख रहा है। टी10 विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहा है। अब एशिया और अफ्रीका जैसे महाद्वीपों में अपनी पहचान बनाने को तैयार है। बेहद रोमांचक टी10, जो टी10 ग्लोबल स्पोर्ट्स के अध्यक्ष शाजी उल मुल्क के दिमाग की उपज है, विस्तार के मामले में गंभीर कदम उठा रहे हैं और पहले ही श्रीलंका और जिम्बाब्वे में एक टूर्नामेंट की घोषणा की जा चुकी है, जो दुनिया 30 से अधिक देशों को एक साथ लाने की उम्मीद करता है। अफ्रीकी क्रिकेट संघ के अध्यक्ष क्रामे असारे ने कहा, यह अफ्रीकी देशों के लिए एक बहुत ही अनूठा समय है, और जब हम सोचते हैं कि हम कैसे इसका हिस्सा बनने जा रहे हैं, तो खेल को विकसित करने के लिए, हम बहुत उत्साहित हैं। हम सभी को बेहतर विकास करने के लिए अफ्रीका में हमारे लिए, यहां आने वाली फ्रेंचाइजी दरवाजे खोल देंगी। कुछ वर्षों में, इस साझेदारी की मदद से, हमें बड़े लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युवाओं को उच्चतम स्तर पर खेलने का मौका देना है। जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष डॉ तेवेंग्वा मुकुहलानी ने कहा, यह क्रिकेट का एक नया ब्रांड है जो अफ्रीका महाद्वीप और जिम्बाब्वे देश में आ रहा है। सभी खिलाड़ियों और हितधारकों, पुरुषों और महिलाओं ने इस प्रारूप को अपनाया है और हम चाहते हैं कि यह बहुत आगे बढ़े। दूसरी तरफ कुछ समय बाद टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना हमारे लिए भी बहुत बड़ी बात थी, इसने देश और प्रशंसकों का मूड बना लिया है, खासकर पाकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद। टी10 के जुड़ने से प्रशंसकों में और उत्साह आ गया है। विशाल टी10 दुनिया भर के विभिन्न देशों को सक्रिय रूप से आकर्षित करने की उम्मीद करता है ताकि क्रिकेट परिवार को आगे बढ़ाया जा सके और युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके जबकि अधिक क्रिकेटरों को खेल में लाना अलग पहलू है।

आप नीचे गिर सकते हैं, लेकिन आपको फिर से उठना होगा : मुंबई इंडियंस के कोच मार्क बाउचर

मुंबई। मुंबई इंडियंस के नए मुख्य कोच मार्क बाउचर ने मंगलवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगामी सीजन टीम को पिछले साल के खराब सीजन से उबरने और उन मानकों पर वापस लौटने पर केंद्रित होगा, जिनकी उनसे प्रशंसकों को उम्मीद है। ऐसा करने के लिए, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का पुनर्निर्माण करना होगा और कुछ अंतरालों को भरना होगा, जो मुंबई और पुणे में खेले गए 2022 सीजन के दौरान दिखाई दिए थे। आईपीएल 2023 की नीलामी के लिए सिर्फ दो सप्ताह से अधिक का समय बचा है। मुंबई इंडियंस के कैंप में पुनर्निर्माण की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। बाउचर ने कहा कि अगले सत्र से पहले वह जिन प्रमुख क्षेत्रों का निर्माण करना चाहते हैं, वह मुंबई इंडियंस का कभी न हार मानने का रवैया है। उन्होंने कहा, हमने इसके बारे में बात की है। कभी-कभी ऐसे समय से गुजरना कोई बुरी बात नहीं है जहां आप शायद बहुत कुछ नहीं जीत पाते। मुझे लगता है कि हमने जो सबक सीखे हैं वे महत्वपूर्ण हैं। हम गिरे हैं, लेकिन हमें उठने की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। उन्होंने कहा कि वानखेड़े स्टेडियम में प्रशंसकों के साथ मुंबई निश्चित रूप से घरेलू स्थिति से लाभ होगा, यह कहते हुए कि 2023 सीजन के लिए मुंबई इंडियंस के अभियान में उनकी बड़ी भूमिका होगी। प्रशंसकों की भूमिका के बारे में बात करते हुए बाउचर ने कहा, मुंबई इंडियंस का प्रशंसक आधार बहुत महत्वपूर्ण है। अगर हमें अपने प्रशंसकों का समर्थन मिलता है, तो यह हमारे होम टाउन में किसी भी टीम के खिलाफ खेलने के लिए फायदेमंद होगा। हम आगे बेहतर करने जा रहे हैं। बाउचर के पास होने वाले फायदों में से एक उनकी टीम और कोचिंग टीम में कई वरिष्ठ खिलाड़ियों का अनुभव है। यह कहना कोई खराब नहीं है कि मुंबई इंडियंस के सिस्टम में कभी हार न मानने का रवैया अंतर्निहित है, और बाउचर ने कहा कि उनका लक्ष्य टीम को वापस ट्रैक पर लाने का होगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में संभावित तेज गेंदबाज लांस मॉरिस को मिल सकता है मौका: गिलक्रिस्ट

एडिलेड। महान आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है कि एडिलेड में वेस्टइंडीज के खिलाफ तेज गेंदबाज लांस मॉरिस को मौका मिल सकता है, क्योंकि कप्तान पैट कमिंस के खेलने की संभावना कम है। दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया 1-0 से आगे है। कमिंस चोट के कारण 8 दिसंबर से शुरू होने वाले एडिलेड टेस्ट के लिए संदेह के घेरे में है। क्रिकेट के व्यस्त महीने से पहले कमिंस को आराम देना भी जरूरी है। तेज गेंदबाज पहले टेस्ट के तीसरे दिन से ही चोट के घेरे में है। चौथे और पांचवें दिन खेलने में उनकी अनुपस्थिति के कारण एडिलेड में टीम की अगुआई करने की संभावना कम होती जा रही है। हालांकि, गिलक्रिस्ट ने महसूस किया, 24 वर्षीय मॉरिस भविष्य के लिए एक प्रतिभा साबित हो सकते हैं। एसईएन डब्ल्यूए ब्रेकफास्ट पर गिलक्रिस्ट ने कहा, मुझे नहीं लगता कि कमिंस खेलेंगे (अगर वह खेलते हैं तो मुझे आश्चर्य होगा), लेकिन मुझे चयन पसंद है। उन्होंने कहा, मैं डब्ल्यूए स्क्वाड के कुछ खिलाड़ियों से बात कर रहा हूं और ऐसी बाते आ रही हैं जैसे वह अगले मिचेल मार्श है, इस तरह का प्रभावशाली गेंदबाज आना जरूरी है। वह अभी युवा हैं। उम्मीद है कि उन्हें किसी स्तर पर मौका मिलेगा।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए बटलर, आदिल, शाहीन नामित

दुबई।

इंग्लैंड के टी20 विश्व कप विजेता अभियान के दो सितारे जोस बटलर, आदिल राशिद और पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी के साथ-साथ महिला क्रिकेटरों गेबी लुईस, नत्थाकन चैथम और अनुभवी सिदरा अमीन को नवंबर 2022 के लिए आईसीसी प्लेयर आफ द मंथ के लिए नामांकित किया गया है। आईसीसी प्लेयर आफ द मंथ के नामांकितों ने नवंबर 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मेन्स प्लेयर आफ द मंथ के लिए नामांकित खिलाड़ी-

जोस बटलर (इंग्लैंड)

इंग्लैंड के बल्लेबाज और सफेद गेंद के कप्तान बटलर ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे उनकी टीम ने आईसीसी मेन्स टी20 विश्व कप हासिल किया था। इंग्लैंड के कप्तान ने महीने की शुरूआत न्यूजीलैंड के खिलाफ प्लेयर आफ द मैच प्रदर्शन के साथ की, जिसमें उन्होंने 47 गेंदों में 73 रन बनाए और उनकी टीम ने ब्रिस्बेन में 20 रन से जीत दर्ज की। इसके बाद उन्होंने भारत के खिलाफ उल्लेखनीय सेमीफाइनल प्रदर्शन में इस उपलब्धि को बेहतर किया, जहां एलेक्स हेल्स के साथ 49 गेंदों में 80 रन बनाकर 169 रन के लक्ष्य को पूरा किया। तनावपूर्ण फाइनल में 26 के अपने महत्वपूर्ण स्कोर के साथ, बटलर ने मैदान पर नेतृत्व भी प्रदान किया, जिससे मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में ट्रॉफी जीती।

आदिल राशिद (इंग्लैंड)

राशिद ने सबसे छोटे प्रारूप में एक विश्व स्तरीय गेंदबाज के रूप में बार-बार खुद को साबित किया है और नवंबर में इंग्लैंड के खेमे में असाधारण प्रदर्शन करने वालों में से एक के रूप में अपनी साख को मजबूत किया है। महीने के दौरान खेले गए चार टी20 मैचों में सिर्फ चार विकेट लेने के बावजूद, उनकी 5.70 की विशेषज्ञ इकॉनमी दर उच्च दबाव वाले मैचों में विपक्षी स्कोर को सीमित करने के लिए महत्वपूर्ण थी। उन्होंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में श्रीलंका के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच में 16 रन देकर एक विकेट के साथ प्लेयर आफ द मैच पुरस्कार जीता, उन्होंने फाइनल में शानदार गेंदबाजी की थी।

शाहीन शाह आफरीदी (पाकिस्तान)

टी20 विश्व कप फाइनल में पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए, आफरीदी एक बार फिर विरोधी बल्लेबाजों के लिए लगातार खतरा साबित हुए।

फीफा विश्व कप में अलग-अलग देशों से उतरे दो भाई

दोहा । कतर में जारी फीफा विश्व कप फुटबॉल में दो भाइयों ने अलग-अलग देशों से खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। ये दोनो भाई हैं। इनाकी और निको विलियम्स। निको टूर्नामेंट में स्पेन के साथ हैं जबकि इनाकी घाना से खेल रहे थे। इनाकी घाना के विश्वकप से बाहर होने के बाद एथलेटिक क्लब बिलबाओ के साथ प्रशिक्षण पर लौटने से पहले एक सप्ताह की छुट्टी पर गये हैं। वहीं निको कतर में ही स्पेन टीम के साथ हैं। निको ने पिछले गुरुवार को जापान के खिलाफ स्पेन की 2-1 से हार के बाद कहा कि उनके बड़े भाई ने प्रतिद्वंद्वी टीम का हिस्सा रहने के बाद भी उन्हें मैच के बाद के कुछ संकेत दिए। निको ने कहा छुट्टी के दिन मैं कुछ दोस्तों और अपने परिवार के साथ था और मेरे भाई ने कुछ चीजें ठीक कीं जो मैंने जापान के खिलाफ नहीं कीं थीं। निको ने आगे कहा उसने मुझे गलत नहीं बताया पर उसने कुछ चीजें सही कीं जिन्हें मैं सुधार सकता हूं। उन्होंने मेरे लिए एक अलग नजरिए से देखा और वह अधिक अनुभवी है इसलिए सही है। उन्होंने स्वीकार किया इनाकी ने मुझे बताया कि मुझे गेंद के लिए और अधिक मूव बनोन की जरूरत है और मैं आउट वाइड बहुत स्थिर था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

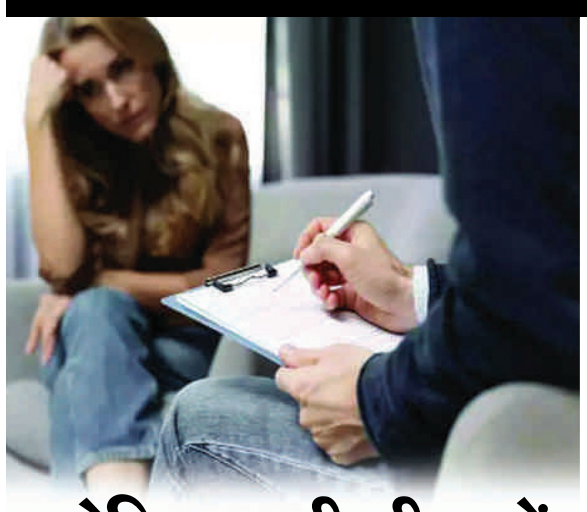

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

◗ मनोविज्ञानी ◗ मनोचिकित्सक ◗ समाज सेवक ◗ काउंसलर ◗ शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ◗ मानव संसाधन प्रबंधक ◗ अध्यापक ◗ अनुसंधान भूमिकाएं ◗ मीडिया भूमिकाएं ◗ मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

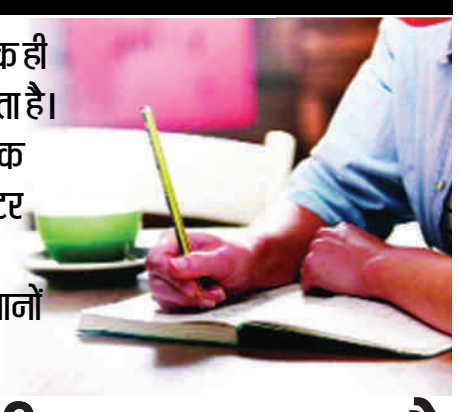

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

'द सिटी ऑफ जॉय' जैसी चर्चित किताबों के लेखक डॉमिनिक लैपियर का निधन, पद्म भूषण से थे सम्मानित

'द सिटी ऑफ जॉय', 'फ्रीडम एट मिडनाइट' जैसी कई चर्चित किताबों के फ्रांसीसी लेखक डॉमिनिक लैपियर का 91 साल की उम्र में निधन हो गया। भारत में वह कोलकाता पर केंद्रित 'द सिटी ऑफ जॉय' किताब के लिए मशहूर थे। लैपियर की पत्नी ने उनके निधन की पुष्टि की। लैपियर को 2008 के गणतंत्र दिवस पर पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कोलकाता की मलिन बस्तियों से कुष्ठ रोग से पीड़ित बच्चों को बचाने के लिए अपनी पत्नी के साथ एक मानवीय संगठन की स्थापना की, जिसका नाम

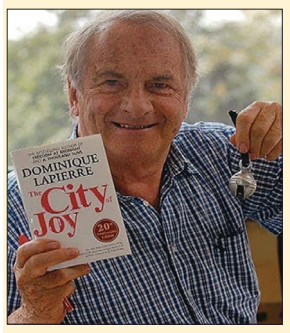

'सिटी ऑफ जॉय फाउंडेशन' था। लेखक की पत्नी डॉमिनिक कोंचोन-लैपियर के हवाले से फ्रांसीसी अखबार 'वार-मेटिन' ने रविवार को कहा, ''91 साल की उम्र में डॉमिनिक लैपियर का निधन हो गया।'' माना जाता है कि 1980 के दशक से दंपति के फाउंडेशन ने भारत में कुपोषण और गरीबी के बीच कुष्ठ रोग और अन्य बीमारियों से जूझ रहे 9,000 बच्चों को बचाया।परोपकारी फाउंडेशन की वेबसाइट पर कहा गया कि इसने 1,200 गांवों में तपेदिक से लड़ने में मदद की है, पीने के पानी के लिए 541 नलकूप खुदवाए। फाउंडेशन ने इन वर्षों में 50 लाख से अधिक रोगियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की। फ्रांस के चेटेलिलॉन में 30 जुलाई, 1931 को जन्मे डॉमिनिक लैपियर यात्रा के प्रति अपने जुनून के लिए जाने जाते थे। कोलकाता (उस समय कलकत्ता) में शोध करते हुए, वह मदर टेरेसा के करीबी सहयोगी बन गए, जिन्होंने लैपियर को उनके जीवन और उनकी सिस्टर्स, मिशनरीज ऑफ चैरिटी के काम पर फिल्म के लिए लिखने का अधिकार दिया। फिल्म 'मदर टेरेसा- इन द नेम ऑफ गॉड्स पुअर' में मदर टेरेसा की भूमिका अभिनेत्री गेराल्डिन चैपलिन ने निभाई थी। अमेरिका और कई यूरोपीय चैनल पर यह फिल्म प्रसारित की गई थी। लैपियर की पटकथा को सर्वोत्तम मानवीय मूल्यों को संप्रेषित करने के लिए प्रतिष्ठित ह्यूमैनिटास पुरस्कार द्वारा भी नामांकित किया गया था। स्पीकर बुकिंग एजेंसी के अनुसार, लैपियर को पहली प्रसिद्धि तब मिली जब 17 साल की उम्र में उन्होंने 30 अमेरिकी डॉलर के साथ पेरिस छोड़ा और एक जहाज पर काम किया। अमेरिका में उतरते हुए, उन्होंने उत्तरी अमेरिका के चारों ओर 30,000 मील की यात्रा की। इस यात्रा पर उन्होंने 'ए डॉलर फॉर ए थाउजेंड माइल्स' किताब लिखी जो काफी चर्चित हुई। वह नयी कहानियों और संदेशों के लिए लगातार दुनिया घूमते रहे। लैपियर, वर्ष 1954 में सैन्य सेवा पूरी करने के बाद लैरी कॉलिंस नामक अमेरिकी सैनिक से मिले। यह दोस्ती आगे चलकर काफी प्रगाढ़ हुई और दोनों ने कई किताबें लिखी। 'ओ यरुशलम', 'फ्रीडम एट मिडनाइट', ''द फिफ्थ हार्समैन' जैसी किताबें 30 से ज्यादा भाषाओं में प्रकाशित हुई।

एवरेस्ट आधार शिविर पहुंचकर भारतीय मूल के बच्चे ने बनाया रिकॉर्ड, सिंगापुर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मिली जगह

सिंगापुर में रहने वाले भारतीय मूल के छह वर्षीय ओम मदन गर्ग ने नेपाल में एवरेस्ट आधार शिविर की ट्रेकिंग को पूरा किया है और इस चढ़ाई को पूरा करने वाले सबसे कम उम्र का सिंगापुरी नागरिक होने के नाते सिंगापुर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह पाई है। ओम ने अक्टूबर में अपने माता-पिता के साथ 10 दिन की यह यात्रा की थी और 65 किलोमीटर की ट्रेकिंग के बाद 5,364 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नेपाल के दक्षिण आधार शिविर पहुंचा। इससे पहले ओम के माता-पिता उसे वियतनाम, थाइलैंड तथा लाओस की साहसिक यात्राएं करा चुके हैं, जब वह महज ढाई महीने का था। 'द स्ट्रेट टाइम्स' की सोमवार को जारी खबर के अनुसार ओम, उसके पिता मयूर गर्ग (38) और मां गायत्री महेंद्रम (39) ने 28 सितंबर को 10 दिन की ट्रेकिंग शुरू की थी।उनके साथ एक गाइड और दो पोर्टर (कुली) थे। किंडरगार्टन 2 का छात्र ओम कहता है, ''मैं पूरी दुनिया देखना चाहता हूं।'' मयूर इंडोनेशिया, रूस और तंजानिया में पर्वतारोहण कर चुके हैं और नवंबर 2021 में उन्होंने एवरेस्ट बेस कैंप की यात्रा की थी।

रूसी नेता ने दूसरों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका को फटकार लगाई

मॉस्को। दुनिया को बहु-ध्रुवीय होना चाहिए, लेकिन अमेरिका अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए अन्य देशों के विकास को रोकने का प्रयास करता है, रूसी राज्य ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन ने कहा। वोलोडिन ने सोमवार को मास्को में आयोजित सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन की संसदीय सभा (सीएसटीओ पीए) के 15वें पूर्ण सत्र में कहा, वोलोडिन ने सोमवार को मास्को में आयोजित सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन की संसदीय सभा (सीएसटीओ पीए) के 15वें पूर्ण सत्र में कहा, दूसरे देशों के पारंपरिक मूल्यों, इतिहास, संस्कृति और धर्म को नष्ट करने के प्रयास में संघर्षों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी अन्य देशों के आंतरिक मामलों में दखल देने और उनकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के आदी हैं। वोलोडिन, जो सीएसटीओ पीए के अध्यक्ष भी हैं, ने जोर देकर कहा कि चुनौतियों और खतरों के सामने, सीएसटीओ सदस्य राज्यों को सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने, आतंकवाद का मुकाबला करने और पारंपरिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए सामान्य समाधान खोजना चाहिए। 1992 में स्थापित, सीएसटीओ छह पूर्व सोवियत गणराज्यों को यूरेशिया में शांति और स्थिरता की रक्षा के उद्देश्य से समूहित करता है।

इंडोनेशिया में 6.2 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की संभावना नहीं

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत में मंगलवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन सुनामी आने की कोई संभावना नहीं है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान, जलवायु और भूभौतिकीय एजेंसी के अनुसार, भूकंप दोपहर 1.07 बजे आया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र जेम्बर रीजेंसी से 284 किमी दक्षिण-पश्चिम में और समुद्र तल के नीचे 10 किमी की गहराई में स्थित था। यह गया है कि, भूकंप के झटकों में विशाल तरंगों को पैदा करने की क्षमता नहीं थी।

एमनेस्टी इंटरनेशनल कनाडा ने कहा चीन ने हम पर प्रायोजित साइबर हमले किए

एमनेस्टी इंटरनेशनल की कनाडा की शाखा ने सोमवार को कहा कि उस पर चीन द्वारा प्रायोजित साइबर हमले किए गए। मानवाधिकार संगठन ने कहा कि पहली बार पांच अक्टूबर को इसका पता चला और इसकी जांच के लिए फोरेंसिक जांचकर्ताओं तथा साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों को नियुक्त किया। एमनेस्टी इंटरनेशनल कनाडा की महासचिव केटी निय्याबंदी ने बताया कि उनकी प्रणालियों पर हुए साइबर हमले विशेष रूप से व पूरी तरह से चीन और हांगकांग के साथ-साथ कुछ प्रमुख चीनी कार्यकर्ताओं से संबंधित थे। इस हैकिंग के कारण संगठन करीब तीन सप्ताह के लिए 'ऑफलाइन' हो गया था। अमेरिकी साइबर सुरक्षा कंपनी 'सिक्योरवर्क्स' के अनुसार, इसके लिए पैसे वसूलने की कोशिश नहीं की गई। इस हमले के पीछे संभवतः '' एक ऐसा समूह था जो चीन द्वारा प्रायोजित था या उसके कहने पर काम कर रहा था '' क्योंकि जिस तरह से इस हमले को अंजाम दिया गया और विशिष्ट उपकरणों का इस्तेमाल किया गया, उसके लिए चीन द्वारा प्रायोजित समूह ही पहचाने जाते हैं। निय्याबंदी ने कार्यकर्ताओं और पत्रकारों से इस हमले के मद्देनजर अपनी साइबर सुरक्षा अद्यतन करने की अपील की। निय्याबंदी ने कहा, ''विश्व स्तर पर मानवाधिकारों की वकालत करने वाले एक संगठन के रूप में, हम इस बात से वाकिफ हैं कि हमारे काम को बाधित करने या उन पर नजर रखने के लिए हमें किसी राष्ट्र द्वारा प्रायोजित हमले का निशाना बनाया जा सकता है। हम इससे डरेंगे नहीं और हमारे कार्यकर्ताओं, कर्मचारियों, दानदाताओं तथा हितधारकों की सुरक्षा व निजता हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी।''

ब्रिटेन के वित्त क्षेत्र में 68 फीसदी भारतीय समेत जातीय अल्पसंख्यक कर्मचारियों के साथ हो रहा भेदभाव: रिपोर्ट

लंदन। (एजेंसी)। एक नई रिपोर्ट में पाया गया है कि 10 में से 7, या भारतीयों सहित जातीय अल्पसंख्यक कर्मचारियों के 68 प्रतिशत ने यूके के वित्तीय सेवा उद्योग में भेदभाव का अनुभव किया है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद में भारी योगदान देते हैं।

वित्तीय सेवा क्षेत्र ने 2021 में यूके की अर्थव्यवस्था में 173.6 बिलियन पाउंड लाए, जो देश के कुल आर्थिक उत्पादन के 8.3 प्रतिशत के बराबर है।

रिबूट और कोलमैन पार्क्स की 2022 रेस टू इक्वेलिटी इन यूके फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 12 महीनों में उनकी पृष्ठभूमि के आधार पर 82 प्रतिशत लोगों ने अपने संगठन में गलत टिप्पणियों का सामना किया। लगभग 47 प्रतिशत जातीय अल्पसंख्यक उत्तरदाताओं ने नस्लवाद और भेदभाव पर अपने एचआर के साथ मुद्दों को उठाया, और तीन-चौथाई ने महसूस किया कि एचआर उनके मुद्दों से निपटने में बहुत प्रभावी नहीं था। कुछ 52 प्रतिशत कर्मचारियों ने भेदभाव की सूचना दी, उन्होंने महसूस किया कि वे प्रबंधकों द्वारा अधिक जांच के दायरे में आते हैं और 48 प्रतिशत ने बताया कि बोलने के लिए सहकर्मियों द्वारा अलग तरह से व्यवहार किया जाता है। 49 फीसदी भेदभाव वाले उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें काम से समय निकालना पड़ा, वहीं 56 फीसदी ने कहा कि उन्हें अपने कार्यस्थल पर नकारात्मकता से उबरने में मदद के लिए परामर्श लेना पड़ा।

लगभग 22 प्रतिशत अश्वेत कर्मचारियों ने कार्यस्थल में दौड़ के बारे में बात करने में असहज महसूस किया और 60 प्रतिशत ने कहा कि वे अपने जातीय अल्पसंख्यक सहयोगियों के हिमायती बनना चाहते हैं। डाइवर्सिटी प्रोजेक्ट में रेस एंड एथनिसिटी की सह-प्रमुख डिंपल मिस्त्री ने कहा, मेरी प्रोफेशनल बैकग्राउंड को देखते हुए, सभी एचआर प्रोफेशनल्स को एक साथ आने, खुद को शिक्षित करने और कर्मचारियों को उनसे संपर्क करने के लिए सुरक्षित चैनल बनाने और उठाए जाने वाले मामलों को गंभीरता से लेने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान है।

सर्वे ने वित्तीय सेवाओं में मध्यम से वरिष्ठ स्तर के जातीय अल्पसंख्यक (600) और श्वेत (200) कर्मचारियों के साथ 800 ऑनलाइन साक्षात्कारों की प्रतिक्रियाओं की जांच की। जातीय अल्पसंख्यक कर्मचारियों के समर्थन में संगठनों को तीन सूत्री योजना प्रदान करते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि नकारात्मक कार्यालय संस्कृतियों को चुनौती दी जानी चाहिए, नेताओं को कार्यभार संभालना चाहिए और ऊपर से कारण का समर्थन करना चाहिए। रिपोर्ट में सुझाव दिया

गया कि जातीयता डेटा रिपोर्टिंग अधिक पारदर्शी होनी चाहिए, जिससे जातीयता वेतन अंतर को बंद किया जा सके। यह रिपोर्ट हाल ही में जारी 2021 की जनगणना की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें भारतीय मूल के लोगों की संख्या 2011 की जनगणना में दर्ज 2.5 प्रतिशत (14.12 लाख) से बढ़कर कुल जनसंख्या का 3.1 प्रतिशत हो जाने के साथ यूके में सबसे बड़ा गैर-श्वेत जातीय समूह बन गया।

रूस ने दो माह के भीतर आठवीं बार यूक्रेन पर दागी मिसाइल

कीव (एजेंसी)। 10 अक्टूबर के बाद से यूक्रेन आठवीं बार रूसी मिसाइलों का शिकार हुआ है। राष्ट्र के नाम अपने रात्रिकालीन वीडियो संबोधन में राष्ट्रपति ब्लादीमिर जेलेंस्की ने सोमवार देर रात कहा कि ताजा हमले में चार लोग मारे गए। उक्रेइंस्का प्रावदा ने राष्ट्रपति के हवाले बताया कि रूस ने सोमवार को कम से कम 70 मिसाइलें दागी, उनमें से अधिकांश को मार गिराया गया। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा कंपनियों ने तुरंत बिजली बहाल करने पर काम करना शुरू कर दिया और ओडेसा, जापोरिज्ज़िया और खारकीव क्षेत्रों में प्रयास चल रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि सोमवार की रात तक विन्नित्सिया,

कीव, जाइटॉमिर, निप्रॉपेट्रोस, ओडेसा, खमेलनित्सकी और चकार्सी के क्षेत्र बिजली कटौती से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, मोल्दोवा में भी बिजली की कटौती हुई है। उन्होंने कहा, 'यह एक बार फिर साबित करता है कि इतने बड़े हमले करने की रूस की क्षमता न केवल यूक्रेन के लिए खतरा है, बल्कि कम से कम हमारे पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है, इसलिए इसे रोकना एक संयुक्त कार्य है।' यूक्रेनी वायु सेना ने दावा किया कि उसने कीव, पोल्टावा और निप्रॉपेट्रोस के क्षेत्रों में 60 मिसाइलों को मार गिराया। हमलों के परिणामस्वरूप ओडेसा क्षेत्र में दो बुनियादी सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। चूंकि रूस ने 10 अक्टूबर को यूक्रेन के पावर ग्रिड पर अपने बड़े पैमाने पर, समन्वित हमले शुरू किए, देश के ऊर्जा बुनियादी ढांचे का लगभग आधा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे लाखों यूक्रेनियन बिजली से डिस्कनेक्ट हो गए हैं।

रूस के हमले के बावजूद यूक्रेन की बिजली व्यवस्था काम कर रही है : पीएम

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शिम्हाल ने कहा है कि देश की बिजली व्यवस्था काम कर रही है और ऊर्जा सुविधाएं रूस के नवीनतम मिसाइल हमलों के बावजूद बरकरार हैं समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने टेलीग्राम पर शमीहल के पोस्ट का हवाला देते हुए बताया कि उत्तरी यूक्रेन के कीव क्षेत्र, केंद्रीय विन्नित्स्या क्षेत्र और दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में मिसाइल हमलों से ऊर्जा सुविधाएं प्रभावित हुईं। यूक्रेनी राज्य द्वारा संचालित ऊर्जा कंपनी उक्रेनर्गो ने कहा कि हमलों के बाद यूक्रेन की ऊर्जा प्रणाली में स्थिति मुश्किल, लेकिन नियंत्रणीय है। यूक्रेनेरगो ने एक बयान में कहा, देश भर के सभी क्षेत्रों में आपातकालीन बिजली कटौती शुरू कर दी गई है। यूक्रेनी सशस्त्र बलों की वायु सेना ने टेलीग्राम पर कहा कि उसने सोमवार को यूक्रेन के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के खिलाफ रूस द्वारा दागी गई 70 से अधिक मिसाइलों में से 60 से अधिक को मार गिराया। यह हमला 10 अक्टूबर से यूक्रेन के खिलाफ रूस के हवाई हमलों की आठवीं लहर को चिह्नित करता है।

राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए सूडान में फ्रेमवर्क डील पर हस्ताक्षर

खार्तूम (एजेंसी)। सूडान के सैन्य और नागरिक नेताओं ने राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने और दो साल की माध्यमिक सत्ता स्थापित करने के लिए एक राजनीतिक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सूडानी सशस्त्र बलों के वर्तमान अध्यक्ष और कमांडर-इन-चीफ अब्देल फत्ताह अल-बुरहान और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के कमांडर मोहम्मद हमदान डागालो ने सोमवार को समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस बीच, स्वतंत्रता और परिवर्तन गठबंधन, क्रांतिकारी मोर्चा, अन्य राजनीतिक संगठनों, श्रमिक संघों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने राजनीतिक बलों की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौता माध्यमिक प्राधिकरण के लिए चार स्तरों को निर्धारित करता है, जिसमें विधान परिषद, संप्रभु परिषद, मंत्रिपरिषद और न्यायिक परिषद और स्वतंत्र आयोग शामिल हैं। इस सौदे में जिन पार्टियों ने राजनीतिक घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं, उन्हें परामर्श के माध्यम से राज्य के प्रमुख का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक सीमित नागरिक संप्रभु परिषद का चयन करना है। सौदे के तहत, ये बल एक प्रधानमंत्री का चयन करने के लिए भी बातचीत करेंगे, जो तब कैबिनेट का गठन करेगा। समझौते ने माध्यमिक अवधि के अंत में एक व्यापक, विश्वसनीय, पारदर्शी और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया को व्यवस्थित करने का भी वचन दिया। अल-बुरहान ने हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए शपथ ली कि सैन्य प्रतिष्ठान राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर निकलेंगे और आम चुनाव तक पहुंचने तक लोकतांत्रिक परिवर्तन का समर्थन करेंगे। उन्होंने सूडानी सशस्त्र बलों को एक संवैधानिक संस्था बनाने के लिए सुधार करने की आवश्यकता पर बल दिया जो संविधान के अधीन है और राजनीतिकरण या पक्षपात के बिना तटस्थता बनाए रखता है। फोर्सेज ऑफ फ्रीडम एंड चेंज एलायंस के प्रतिनिधि अल-वतिक अल-बिरैर ने कहा कि हस्ताक्षरित सौदा एक नागरिक शासन के लिए और शानदार दिसंबर क्रांति के कार्यों को पूरा करने के लिए स्थापित करता है। मसौदा माध्यमिक अवधि के दौरान देश पर शासन करने के लिए एक संवैधानिक ढांचा स्थापित करता है, और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा मामलों को चलाने के लिए नागरिक नेतृत्व वाली सरकार और एक परिषद के गठन का प्रावधान करता है। 25 अक्टूबर, 2021 को अल-बुरहान द्वारा सैन्य तख्तापलट की घोषणा करने और संप्रभु परिषद और सरकार को भंग करने के बाद से सूडान राजनीतिक संकट से जूझ रहा है।

पाक में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है गंभीर चुनौती

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता देश के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई है। क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने संघीय सरकार पर समय पूर्व चुनाव की घोषणा करने के लिए दबाव बनाने के इरादे से दो प्रमुख प्रांतीय विधानसभाओं को भंग करने की घोषणा की थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और देश के सबसे बड़े प्रांत पंजाब में इसका प्रमुख गठबंधन, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री परवेज इलाही कर रहे हैं, जो पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद (पीएमएल-क्यू) के नेता भी हैं, लगातार परामर्श कर रहे हैं। खान की घोषणा को आगे बढ़ाने के लिए एक योजना तैयार करें। जबकि पीएमएल-क्यू नेता ने खुले तौर पर कहा है कि वह खान के फैसले का विरोध नहीं करेंगे और जब उन्हें कहा जाएगा तो 20 मिनट के भीतर पंजाब विधानसभा को भंग कर देंगे। उधर, पूर्व प्रधान मंत्री ने भी सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है और आशा जताई है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जल्द चुनाव कराने के एक सूत्रीय एजेंडे पर बातचीत करेंगे। लेकिन सरकार ने खान की सशर्त बातचीत की मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि पूर्व शर्तों पर कोई बातचीत नहीं हो सकती है। आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह ने खान से बिना किसी पूर्व शर्त के सरकार के साथ वार्ता करने या पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय विधानसभाओं को भंग करने का आह्वान किया। उन्होंने इस्लामाबाद में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा इमरान खान के साथ कोई बातचीत नहीं हो सकती है। अगर वह सोचते हैं कि पंजाब और केपी विधानसभाओं को भंग करके वह देश में आम चुनाव कराने के लिए संघीय सरकार पर दबाव डाल सकते हैं, तो वह गलत हैं। अगर वह उन्हें भंग करना चाहते हैं, तो आगे बढ़ें। उन्होंने कहा, विधानसभा भंग होने की स्थिति में दोनों प्रांतों में उपचुनाव होंगे। संघीय सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और आम चुनाव भी समय पर होंगे। दूसरी ओर सूत्रों ने पुष्टि की है कि खान की सहयोगी पार्टी पीएमएल-क्यू भी सैन्य प्रतिष्ठान के संपर्क में है, जिसने राजनीतिक दलों को देश में बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता से बचने का निर्देश दिया है।

कोरोना की उत्पत्ति पर कई सवाल, आ गई लेटेस्ट पड़ताल, मानव निर्मित था कोविड-19 वायरस

वाशिंगटन। (एजेंसी)। साल 1978 में अमिताभ बच्चन की फिल्म आई थी 'डॉन' जिसमें डॉन का किरदार निभाने वाले अमिताभ मोनिका से कहते हैं कि रिवाल्वर खाली है, ये डॉन जानता है, मोनिका जानती है, लेकिन पुलिस नहीं जानती। अब दुनिया के सभी लोग पुलिस की भूमिका में है लेकिन जो डॉन है, उसे सारी असलियत का पता है। कोरोना वायरस कहां से आया, कब आया और कैसे आया। इन सवालों का जब भी जिक्र होता है तो नजर चीन पर जाकर टिकती है। लेकिन अपनी सबूतों की इमारतों पर चीन इस बात को झुठला देता है या पीछे हट जाता है। कोरोना को लेकर चीन से जुड़े खुलासे लगातार सामने आते रहे हैं। समय-समय पर ये भी दावे किए जाते रहे हैं कि क्या कोरोना वायरस पशु-से-मानव संचरण से स्वाभाविक रूप से पैदा हुआ या वुहान वायरोलॉजी लैब से गलती से लीक हो

गया। चीन के वुहान में एक विवादास्पद अनुसंधान प्रयोगशाला में काम करने वाले अमेरिका के एक वैज्ञानिक ने आश्चर्यजनक खुलासा किया है। वैज्ञानिक ने कहा है कि कोविड-19 एक 'मानव निर्मित वायरस' था। चीन के वुहान की विवादित लैब के अमेरिकी वैज्ञानिक ने दावा किया है कि कोविड-19 एक मानव निर्मित वायरस था और यह इसी लैब से लीक हुआ था। 'न्यूयॉर्क पोस्ट ने ब्रिटिश अखबार द सन में अमेरिका स्थित शोधकर्ता एंड्रयू हफ के बयान के हवाले से बताया कि दो साल पहले वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (डब्ल्यूआईवी) से कोविड लीक हुआ था, जो एक राज्य द्वारा संचालित और वित्त पोषित अनुसंधान है। महामारी विशेषज्ञ एंड्रयू हफ ने अपनी नई पुस्तक, 'द ट्रुथ अबाउट वुहान' में दावा किया है कि महामारी अमेरिकी सरकार के चीन में कोरोना वायरस रिसर्च की फंडिंग के कारण हुई थी। हफ की किताब के कुछ अंश ब्रिटेन के टैबलॉयड द सन में प्रकाशित हुए हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, हफ इकोहेल्थ एलायंस के पूर्व उपाध्यक्ष हैं, जो न्यूयॉर्क में स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन है जो संक्रामक रोगों का अध्ययन करता है। उन्होंने अपनी किताब में दावा किया है कि चीन के गेन-ऑफ-फंक्शन प्रयोग पूरी सुरक्षा के साथ नहीं किए गए, जिसके कारण वुहान लैब में रिसाव हुआ।

रूस ने पाकिस्तान को की रियायती दरों पर कच्चे तेल की आपूर्ति की पेशकश, मगर फिर भी मुश्किल में फंसा इस्लामाबाद

इस्लामाबाद। एक बड़े सकारात्मक घटनाक्रम में रूस ने पाकिस्तान को 1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल रियायती दरों पर उपलब्ध कराने की पुष्टि की है और इस पर सहमति जताई है. संघीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने मास्को से लौटने के बाद घटनाक्रम की पुष्टि की. इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, रूस ने प्रतिदिन 1 लाख बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति की सहमति दी है, लेकिन अभी तक की दर की पुष्टि नहीं की है, जिस पर जनवरी में चर्चा की जाएगी. पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों ने भी पुष्टि की कि शर्तों और दरों को मास्को से पाकिस्तान के एक प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा, जो अगले साल 23 जनवरी से होने वाला है.मुसादिक मलिक ने कहा, रूस हमें रियायती दर पर कच्चा तेल देगा. वह हमें रिफाइनरी उत्पादों, पेट्रोल और डीजल पर छूट देगा. तेल और गैस की आपूर्ति के संबंध में रूस के साथ बातचीत बहुत सकारात्मक रही है. अब पाकिस्तान के लिए जटिलता इस बात पर टिकी है कि महत्वपूर्ण सौदे के माध्यम से रूस से आपूर्ति प्राप्त करने के लिए वह किस आयात मूल्य सीमा का पालन करेगा.

आखिर क्यों समुद्र में तोपों से लगातार गोले दाग रहा है उत्तर कोरिया, सीमा पार से क्या किम जोंग पर मंडरा रहा है कोई बड़ा खतरा?

सियोल (एजेंसी)। एक बार फिर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खिचने के लिए नॉर्थ कोरिया ने एक साथ 130 गोले दागे। उत्तर कोरिया ने कहा कि उसने दक्षिण में सीमा पार सैन्य अभ्यास का पता लगाने के बाद अपने पूर्वी और पश्चिमी तटों से समुद्र में 130 से अधिक तोपों के गोले दागे। सियोल ने कहा कि कुछ गोले समुद्री सीमा के पास एक बफर जोन में गिरे जो तनाव को कम करने के लिए बनाए गए 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते का उल्लंघन था। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दक्षिण कोरियाई सेना ने गोलीबारी को लेकर उत्तर को कई चेतावनी संदेश भेजे।

उत्तर कोरिया ने तोपो से दागे गोले

उत्तर कोरिया की सेना ने कहा कि उसने सीमावर्ती इकाइयों को अंतर्देशीय सीमा क्षेत्र में दक्षिण कोरियाई गोलीबारी के अभ्यास के जवाब में लगातार दूसरे दिन समुद्र में तोपों से फिर गोले दागने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया के उसकी पश्चिमी व पूर्वी समुद्री सीमा में तोपों से करीब 130 गोले दागने के एक दिन बाद उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी जनरल स्टाफ ने यह बयान दिया है। उत्तर कोरिया के इस कदम से दोनों पड़ोसियों के सबंध और तनावपूर्ण होने की आशंका है।

उत्तर कोरिया को सीमा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया कर रहा है सैन्य अभ्यास

उत्तर कोरिया के एक अज्ञात सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर कोरिया को सीमा क्षेत्र में दक्षिण कोरियाई तोपों के अभ्यास के संकेत मिले हैं और इसलिए तोपों से मंगलवार को गोलाबारी की योजना दक्षिण कोरिया के लिए एक चेतावनी है। तटीय शहर चीयोवान के नजदीक दक्षिण कोरिया सोमवार से बुधवार तक सैन्य अभ्यास कर रहा है, जिसके जवाब में उत्तर कोरिया की ओर से यह कार्रवाई की गई। उत्तर कोरिया की सेना ने सोमवार को कहा कि उसने अपनी पश्चिमी व पूर्वी तटीय इकाइयों को चेतावनी के तौर पर तोपों से गोले दागने का निर्देश दिया है, क्योंकि चीयोवान क्षेत्र से दक्षिण-पूर्व में दक्षिण कोरिया के दर्जनों प्रक्षेप्य (प्रोजेक्टाइल) दिखने की बात सामने आई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कश्मीर में ठंड बढ़ते ही बढ़ी पर्यटकों की भीड़, मौसम का मजा ले रहे हैं सैलानी

जम्मू। कश्मीर घाटी में इस समय हाड़ कंपा देने वाली ठंड पड़ रही है। स्थानीय लोगों के लिए यह भले यह दिन सामान्य सर्दियों की तरह हों लेकिन यहां आये पर्यटकों की मौज-मस्ती मौसम की इस अंगड़ाई ने बढ़ा दी है। कश्मीर में इस समय कोहरा और ठंड का आलम यह है कि पर्यटक अपने को गरम रखने के लिए तमाम उपाय करने पर मजबूर हैं लेकिन कई पर्यटक ऐसे भी हैं जो सर्दी की परवाह नहीं करते हुए मौसम का मजा लेने के लिए बाहर निकल रहे हैं। वैसे भी, कश्मीर प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक है और इसके लिए यह दुनिया भर में प्रसिद्ध है। आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2022 से अब तक लगभग 1.62 करोड़ पर्यटक जम्मू और कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। जम्मू और कश्मीर के इतिहास में इस केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटकों की संख्या इस साल सबसे अधिक रही है। अब तो कश्मीर में पर्यटन का विंटर सीजन शुरू हो चुका है जिसके चलते यहां पर्यटकों की भीड़ लगने लगी है। प्रभासाक्षी से बातचीत के दौरान पर्यटकों ने खुशी जाहिर की और लोगों से अपील की कि यहां घूमने आना चाहिए।

अजमेर पहुंचीं ममता बनर्जी, दरगाह में चढ़ाई चादर, पुष्कर में भी करेंगी ब्रह्मा मंदिर में पूजा

जयपुर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दिल्ली दौरा खत्म करके राजस्थान के अजमेर पहुंची हैं। उन्होंने विश्व प्रसिद्ध नवाज दरगाह में जियारत की तथा यहां के परंपरा अनुसार चादर की चढ़ाई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में वह अजमेर शरीफ दरगाह में चादर चढ़ाती दिखाई दे रही हैं। ममता बनर्जी के दौरे को लेकर वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए गए थे। जानकारी यह भी है कि ममता बनर्जी इसके बाद पुष्कर जाएंगी, जहां वे ब्रह्मा मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। आपको बता दें कि सोमवार को ममता बनर्जी दिल्ली आई थीं और यहां एक सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए थीं। ममता बनर्जी जी20 को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह आज अजमेर पहुंची हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ममता बनर्जी के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम के आदेश दिए थे। इसके बाद ममता बनर्जी पुष्कर जाएंगी। जानकारी यह है कि पुष्कर में जब वक्त ब्रह्मा मंदिर में दर्शन करेंगी तो उस वक्त आगंतुकों के लिए मंदिर परिसर बंद रहेगा। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा था कि जी-20 'लोगो' में कमल के फूल का इस्तेमाल करना एक अहम मुद्दा है, लेकिन वह इस बारे में कुछ नहीं बोलेंगी, क्योंकि अगर इस मुद्दे पर बाहर (विदेशों में) चर्चा होती है तो यह देश के लिए अच्छा नहीं होगा।

उत्तराखंड के 12 शहरों में बनेंगी हाईटेक टनल पार्किंग

चमोली । क्या आपका कभी मसूरी-नैनीताल जाना हुआ है तो यहां लगने वाले जाम से सामना जरूर हुआ होगा। कहने को उत्तराखंड पर्यटन प्रदेश है, लेकिन पर्यटन स्थलों पर पार्किंग के लिए कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं दिखती। नतीजतन लोग सड़क किनारे कहीं भी गाड़ी पार्क कर देते हैं, जिससे शहर से लेकर सड़कों तक जाम लगा रहता है। जाम की इस बीमारी के इलाज के लिए अब राज्य सरकार ने सॉलिड प्लान बनाया है। प्रदेश की 12 जगहों पर पहाड़ों पर टनल पार्किंग बनाई जाएगी। इसके लिए डीपीआर बनाई जा रही है। पार्किंग बनाने के लिए आरवीएनएल, यूजेवीएनएल, टीएचडीसी और एनएचआईडीसीएल को कार्यदायी संस्था बनाया गया है। योजना परवान चढ़ी तो राज्य के चार पर्वतीय जिलों में पार्किंग की समस्या दूर हो जाएगी। पहाड़ी जिलों में पार्किंग की समस्या विकराल होती जा रही है। हर साल लाखों पर्यटक उत्तराखंड आते हैं, लेकिन जब उन्हें जाम और पार्किंग की समस्या से जूझना पड़ता है तो मन खट्टा हो जाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु के निर्देशों पर टनल पार्किंग योजना पर काम शुरू हुआ था।

गुजरात में चुनाव बाद हिंसा के आरोप में 13 लोग गिरफ्तार

गांधीनगर। गुजरात में गांधीनगर जिले के कलोल निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव बाद हुई हिंसा हो गई थी। इस मामले के संबंध में पुलिस ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में सोमवार को कलोल निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के दौरान एक पोलिंग बूथ पर मतदान को लेकर कांग्रेस उम्मीदवार बलदेवजी ठाकोर और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हुई थी। इस दौरान बीजेपी के एक कार्यकर्ता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिसके बाद कार्यकर्ता को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीजेपी कार्यकर्ता पर हुए हमले से आक्रोशित पार्टी के कार्यकर्ताओं समेत एक भीड़ ने वोटिंग खत्म होने के बाद कांग्रेस पार्टी के कार्यालय पर हमला किया और उसमें तोड़फोड़ की। भीड़ ने बलदेवजी ठाकोर को घेर लिया और उन्हें पीटने का भी प्रयास किया। हिंसा के बढ़ने से दोनों पक्षों के कार्यकर्ता भारी संख्या में जमा होने लगे, लेकिन गांधीनगर जिला पुलिस अधीक्षक तरुण दुग्गल और उनकी टीम ने समय रहते कलोल पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। कांग्रेस पार्टी के कलोल निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी मुकेश पटेल ने आरोप लगाया कि लाठी और पाइप से लैस भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पर हमला किया और धमकी दी है कि वे बलदेवजी ठाकोर को मार देंगे। इन आरोपों को खारिज करते हुए बीजेपी उम्मीदवार बकाजी ठाकोर ने दावा किया कि बलदेवजी को एहसास हो गया था कि वह चुनाव हार रहे हैं। इसलिए उनके कार्यकर्ताओं ने पहले बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला किया और उनके वाहनों में तोड़फोड़ की थी।

श्रद्धा डर केस के आरोपी आफताब ने दिखाई चुनाव नतीजों में दिलचस्पी, पुलिस से पूछा किसकी बनी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में किसकी सरकार बनने जा रही है? ये सवाल सिर्फ जनता के मन पर ही नहीं बल्कि श्रद्धा डर केस के आरोपी आफताब के दिमाग में भी उथल पुथल मचा रहा है। तिहाड़ जेल में बंद आरोपी ने दिल्ली नगर निगम में बन रही सरकार और गुजरात चुनाव को लेकर सेल के बाहर खड़े सुरक्षाकर्मी से जानकारी मांगी है। बेहद शातीराना अंदाज में श्रद्धा की हत्या करने वाले आफताब ने चुनाव मुद्दे पर सुरक्षाकर्मियों से बात की है। आफताब पुलिसकर्मियों से चुनाव से संबंधित सवालों को भी पूछता रहता है। राजनीतिक मुद्दों पर भी आफताब सेल में रहने के दौरान चर्चा करता है। उसे चुनाव में लीड ले रही पार्टी और इस संबंध में हर अपडेट पर काफी इंटरेस्ट है। पुलिसकर्मियों से चुनाव से संबंधित सवाल पूछता रहता है। वो ये भी बातें करता है कि कौन सी पार्टी आगे है, किसे लीड मिल रही है। सेल में रहते हुए आफताब चुनावों की पूरी अपडेट अपने पास रख रहा है। आफताब जेल में सामान्य तरीके से रह रहा है और बर्ताव कर रहा है। बता दें कि आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट हो चुका है। पॉलीग्राफ टेस्ट किए जाने के दौरान आफताब पर हमला हुआ था, जिसके बाद उसकी सुरक्षा में बढ़ोतरी की गई थी। आफताब को किसी तरह का डर नहीं लगता है, वो सामान्य तरीके से ही अपने सेल में घूमता और पुलिस कर्मी से बात करता है। गौरतबल है कि 28 वर्षीय पूनावाला पर 'लिव इन रिलेशन' में रह रही वालकर की हत्या करने, उसके शव के 35 टुकड़े कर उन्हें तीन सप्ताह तक दक्षिणी दिल्ली के महरौली स्थित आवास में 300 लीटर के फ्रिज में रखने एवं शव के हिस्सों को कई दिनों में शहर के विभिन्न हिस्सों में ठिकाने लगाने का आरोप है। पूनावाला को 12 नवंबर को गिरफ्तार किया गया और पांच दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया। इस अवधि को 17 नवंबर को और पांचदिन के लिए बढ़ाया गया। अदालत ने 26 नवंबर को उसे 13 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पंजाब के अंबाला में नहर में गिरी कार , एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

अंबाला। अंबाला जिले में सोमवार शाम एक कार के नहर में गिर जाने से पंजाब के एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना अंबाला शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर इस्माइलपुर गांव के पास हुई। अधिकारियों ने बताया कि बाद में शवों को नरवाना शाखा नहर से निकाल लिया गया।

शीतकालीन सत्र : सर्वदलीय बैठक के बाद बोले प्रह्लाद जोशी, हम हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार, विपक्ष की ओर से सुझाव आए हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। आज इसको लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल व संसदीय कार्य मंत्री पहलाद जोशी और संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल मौजूद रहे। टीएमसी की ओर से इस बैठक में डेरेक ओ%ब्रायन शामिल हुए। बैठक में कांग्रेस से अधीर रंजन चौधरी, तृणमूल कांग्रेस से सुदीप बंदोपाध्याय, डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक से टी आर बालू, आप से संजय सिंह सामिल हुए। इसके अलावा कई और दलों के नेताओं ने इस बैठक में हिस्सा लिया। इसमें सदन का कामकाज सुचारू रूप से सुनिश्चित करने, सत्र के दौरान विधायी कार्यों एवं इससे जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री

प्रह्लाद जोशी ने इसको लेकर जानकारी भी दी है। अपने बयान में प्रहलाद जोशी ने कहा कि हम हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, विपक्ष की ओर से कुछ सुझाव आए हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर और चेयरमैन की अनुमति के बाद चर्चा होगी। 47 पार्टियों में से 31 पार्टियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं इस आरोप की निंदा करता हूं कि हम क्रिसमस की उपेक्षा कर रहे हैं। 24 व 25 दिसंबर को अवकाश रहेगा। आपको बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू होगा और यह 29 दिसंबर को समाप्त होगा। इस सत्र में 17 बैठकें होंगी।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हमने सरकार को कहा है कि जैसे हिंदू, मुस्लिम के त्योहार होते हैं वैसे ईसाई लोगों का भी त्योहार होता है। यह बात ईसाई लोगों के त्योहार के समय ध्यान रखनी जरूरी है।उनकी जनसंख्या कम है लेकिन यह बात हमें सोचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सत्र को छोटा, बंद कर त्योहर मनाने के लिए नहीं कह रहे बल्कि सरकार को इसके बारे में सोचने के लिए कह रहे। सरकार 24-25 विषयों पर चर्चा कराना चाहती है जिसके लिए समय नहीं, क्योंकि यह सत्र 17 दिन का है।

अधीर रंजन बोले, 'क्रिसमस' को देखते हुए शीतकालीन सत्र की तारीख तय की जानी चाहिए

संसद का शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू हो रहा है। यह 29 दिसंबर को समाप्त होगा। इस सत्र में 17 बैठकें होंगी। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले छह दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई। जिसमें विभन्न दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि हम हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, विपक्ष की ओर से कुछ सुझाव आए हैं। स्पीकर और चेयरमैन की अनुमति के बाद चर्चा होगी। 47 पार्टियों में से 31 पार्टियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हम सत्र को छोटा, बंद कर त्योहर मनाने के लिए नहीं कह रहे बल्कि सरकार को इसके बारे में सोचने के लिए कह रहे। सरकार 24-25 विषयों पर चर्चा कराना चाहती है जिसके लिए समय नहीं, क्योंकि यह सत्र 17 दिन का है। सर्वदलीय बैठक के बाद चौधरी ने कहा कि हमने सरकार को कहा है कि जैसे हिंदू, मुस्लिम के त्योहार होते हैं वैसे ईसाई लोगों का भी त्योहार होता है। यह बात ईसाई लोगों के त्योहार के समय ध्यान रखनी जरूरी है।उनकी जनसंख्या कम है लेकिन यह बात हमें सोचनी चाहिए।

एम्स के बाद आईसीएमआर के सर्वर को हैक करने की कोशिश, किया गया 6 हजार बार अटैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एम्स और तमिलनाडु के श्री सरन मेडिकल सेंटर के मेडिकल डेटा पर हुए हालिया साइबर अटैक के बाद अब भारत की शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान निकाय भी हैकर्स के निशाने पर है। हैकर्स ने शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान निकाय आईसीएमआर की वेबसाइट को हैक करने की कोशिश की, हालांकि वो इसमें सफल नहीं हो पाया और सारे प्रयासों को विफल कर दिया गया। अधिकारी ने कहा कि जाहिर तौर पर हांगकांग के हैकरों ने 30 नवंबर को 24 घंटे के अंतराल में करीब 6000 बार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की वेबसाइट पर हमला करने की कोशिश की।

ये हमले कथित रैंसमवेयर हमले के बाद हुए हैं,

जिसने यहां एम्स की ऑनलाइन सेवाओं को बाधित कर दिया था। अधिकारियों की तरफ से इंडिया टुडे को दी जानकारी के अनुसार आईसीएमआर वेबसाइट की सामग्री सुरक्षित है। साइट एनआईसी डेटा सेंटर में होस्ट की गई है, इसलिए फायरवॉल एनआईसी से है जिसे वे नियमित रूप से अपडेट करते हैं। हमले को सफलतापूर्वक रोका गया है।

इससे पहले दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पर साइबर हमले ने लाखों मरीजों के निजी डेटा को खतरे में डाल दिया था। सूत्रों ने कहा कि चीनी हैकरों द्वारा किए गए संदिग्ध साइबर हमले से कुल पांच मुख्य सर्वरों को निशाना बनाया गया। चुराए गए डेटा को संभवतः डार्क वेब, इंटरनेट के एक छिपे हुए हिस्से पर बेचा गया था। इसके अलावा तमिलनाडु के श्री सरन मेडिकल सेंटर के 1.5 लाख मरीजों के निजी डेटा को हैकर्स ने लोकप्रिय साइबर क्राइम फोरम पर बेचा गया और इसके साथ ही एक टेलीग्राम चैनल डेटाबेस बेचने के लिए इस्तेमाल किया गया।

क्रिश्चियन मिशेल भारतीय होता तो जमानत मिल जाती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र से सवाल किया कि वह विदेशी नागरिक क्रिश्चियन मिशेल को कब तक सलाखों के पीछे रखेगा और कहा कि यदि वह भारतीय था, तो इसी तरह के हालात में उसे जमानत मिल जाती। अगस्ता वेस्टलैंड मामले में सीबीआई और ईडी की जांच का सामना कर रहे मिशेल ने अपनी जमानत याचिका खारिज करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा की पीठ ने कहा कि मुकदमे की जटिलता हमें चिंतित कर रही है। 250 से ज्यादा गवाहों की जांच की जानी है और आरोपी को सरकारी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी गई है। पीठ ने कहा कि प्राथमिकी 2013 में दर्ज की गई थी और मुकदमा शायद ही आगे बढ़ा हो। पीठ ने कहा कि मिशेल साढ़े चार साल से अधिक समय से जेल में है, सिर्फ इसलिए कि वह विदेशी है। प्रधान न्यायाधीश ने केंद्रीय एजेंसी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा, 'आप उसे कब तक हिरासत में रखेंगे, वह विदेशी नागरिक है.. यदि वह भारतीय नागरिक होता तो (इसी तरह के हालात में) उसे जमानत मिल जाती..स्वतंत्रता का हनन कैसे जायज है?'

विधानसभा में बोले सीएम योगी, यूपी दंगा मुक्त हो सकता है, प्रदेश ने यह साबित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज विधानसभा में अनुपूरक बजट 2022-23 के संबंध में चर्चा में हिस्सा लिया और राज्य के कानून व्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी। अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने बेहतर कानून व्यवस्था के स्थिति के माध्यम से प्रदेश के कानून व्यवस्था का मॉडल देश को देकर उसे देश के सामने उदाहरण बनाया कि उत्तर प्रदेश राज्य दंगा मुक्त हो सकता है और प्रदेश ने यह साबित किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2018 में हमने प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की योजना लागू की। हर व्यक्ति को उसके अनुरूप कार्य देने में हमें सफलता प्राप्त हुई। प्रदेश ने कोविड प्रबंधन का एक मॉडल दुनिया के सामने प्रस्तुत करने में सफलता प्राप्त की।

विधानसभा में योगी ने साफ तौर पर कहा कि यूपी डाटा सेंटर, एक्सपोर्ट का हब बन रहा है। 6 एक्सप्रेसवे वाला यूपी पहला राज्य है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि यूपी की चीनी आज निर्यात हो रही है। गन्ना किसानों को 1.81 लाख करोड़ का भुगतान हुआ है। यूपी में आज 9 एयरपोर्ट काम कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था के लिए 1 ट्रिलियन का लक्ष्य यूपी पूरा करेगा। 5 साल में चार लाख करोड़ ज्यादा का निवेश हुआ है। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन वित्त वर्ष 2022-23 का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया था। इसमें करीब 14 हजार करोड़ रुपये की नई योजनाओं का प्रावधान किया गया है। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिये 33,76,954.67 लाख रुपये की अनुपूरक अनुदान की मांगों को सदन में पेश किया। इसमें 13,75,684.28 लाख रुपये के राजस्व लेखे और 20,01,270.39 लाख रुपये के पूंजी लेखे शामिल हैं।

बाबरी की बरसी पर मथुरा की ईदगाह मस्जिद में हनुमान चालीसा के पाठ का ऐलान, हिंदू संगठन के कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्री कृष्ण जन्मभूमि परिसर स्थित शाही मस्जिद ईदगाह में कथित तौर पर हनुमान चालीसा का पाठ करने जा रहे अखिल भारत हिंदू महासभा के एक नेता को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संगठन के सात-आठ अन्य नेताओं को भी शहर के विभिन्न थानों के तहत उनके घरों में हिरासत में रखा गया है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी को चिह्नित करने के लिए शाही मस्जिद ईदगाह के अंदर हनुमान चालीसा का पाठ करने का आह्वान किया था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) मार्तंडेय सिंह ने कहा कि पुलिस ने अखिल भारत हिंदू महासभा के आगरा क्षेत्र प्रभारी सौरभ शर्मा को उस समय गिरफ्तार किया जब वह परिसर में ईदगाह मस्जिद की ओर जाने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने कहा कि महासभा की अध्यक्ष राजश्री चौधरी और कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा उन लोगों में से नहीं हैं जो अपने घरों में बंद हैं और पुलिस को दोनों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद को 'कारसेवकों' ने 6 दिसंबर 1992 को गिरा दिया था। एएसपी ने कहा कि मंगलवार को ईदगाह में हनुमान चालीसा का पाठ करने की दक्षिणपंथी संगठन की घोषणा के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जिलाधिकारी पुलकित खरे ने सोमवार की रात श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। एसएसपी ने कहा था कि किसी भी नई परंपरा या कर्मकांड को नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेशों का पालन किया जाएगा और सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधात्मक आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

कश्मीरी पंडितों को मिली आतंकी धमकी, महबूबा मुफ्ती का सवाल, कैसे लीक हुई जानकारी?

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा एक बहुत बड़ी चिंता है। इसका कारण यह है कि कश्मीर घाटी में काम कर रहे 56 कश्मीरी पंडितों को एक आतंकवादी संगठन से धमकी मिली है। इसको लेकर उनमें दहशत भी है। अब इसी को लेकर लगातार सवाल उठ रहा है कि आखिर कश्मीरी पंडितों के नाम लिक कैसे हुए हैं? जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी सरकार से यही सवाल पूछा है। अपने बयान में महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ये अफसोस की बात है कि कश्मीरी पंडितों की जानकारी सरकारी दफ्तरों से लीक हो रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसकी जिम्मेवार यहां की सरकार है, सरकार को जवाब देना चाहिए। सरकार कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा देने में नाकाम हो गई है।

इस मुद्दे पर कांग्रेस का भी बयान सामने आया है। कांग्रेस के हरीश रावत ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा देने में वर्तमान सरकार नाकाम रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि

ये स्थितियों का फायदा उठाना चाहते हैं लेकिन कश्मीर में पंडितो की वापसी के लिए पिछले 8 सालों में कोई प्रयास दिखाई नहीं दिए हैं। वहीं, आम आजमी पार्टी ने कहा कि कश्मीर में काम कर रहे आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों के साथ ही कश्मीरी पंडित कर्मचारी चुन-चुनकर की जा रही हत्याओं के बाद प्रदर्शन कर रहे हैं और महीनों से सड़क पर हैं, लेकिन भारत सरकार के साथ ही जम्मू कश्मीर सरकार मूक दर्शक है। आप के प्रवक्ता प्रताप जामवाल ने राज्य में कर्मचारियों पर आतंकवादी हमले के खतरे पर जम्मू कश्मीर प्रशासन और केंद्र सरकार की चुप्पी की आलोचना की।

आपको बता दें कि पिछले दिनों आतंकवादियों द्वारा चुन-चुनकर लोगों की हत्या किये जाने के बाद से घाटी में प्रधानमंत्री पुनर्वास पैकेज (पीएमआरपी) के तहत काम कर रहे अनेक कश्मीरी पंडित जम्मू जा चुके हैं। इसके अलावा 200 से अधिक दिन से स्थान परिवर्तन की मांग के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के एक ब्लॉग में हाल ही में पीएमआरपी के तहत कार्यरत 56 कश्मीरी पंडित कर्मियों की एक सूची प्रकाशित की गयी है और उन पर हमले की धमकी दी गयी है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों में शामिल एक ने कहा कि 'आतंकवादी समूहों ने पहले हमें धमकी भरे खत भेजे, लेकिन इस बार कर्मचारियों की सूची के साथ चेतावनी जारी की गयी है। इससे न केवल प्रदर्शनकारी कर्मचारियों में, बल्कि पूरे समुदाय में डर पैदा हो गया है।

देश के मुजरिमों में हिन्दुओं की तादाद ज्यादा, बच्चों को इमाम ना बनाने वाले असम सीएम की टिप्पणी पर एआईयूडीएफ ने किया पलटवार

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने महिलाओं और हिंदू समुदाय पर एआईयूडीएफ प्रमुख की विवादास्पद टिप्पणियों के तीन दिन बाद बदरुद्दीन अजमल की आलोचना की। सरमा ने कहा कि अजमल ने कहा था कि महिलाओं को अधिक से अधिक बच्चों को जन्म देना चाहिए, 'लेकिन मैं कहता हूं कि अगर महिलाएं अधिक बच्चों को जन्म देती हैं, तो उन्हें बच्चों के बड़े होने तक उनका पालन-पोषण करना चाहिए और उनके खर्चों का भुगतान करना चाहिए। इसके अलावा हिमंत बिस्वा सरमा ने मुस्लिम महिलाओं से अपने बच्चों को जनाम इमाम बनाने की बजए डॉक्टर और इंजीनियर बनाने की अपली की थी। सरमा ने कहा था कि मुस्लिम महिलाओं को अपने पेट को बच्चा बनाने की फैक्ट्री न बनने देना चाहिए।

अब हिमंत सरमा के बयान पर मौलाना अजमल की पार्टी की तरफ से पलटवार सामने आया है। एआईयूडीएफ नेता रफीकुल इस्लाम ने कहा कि देश में जितने भी मुजरिम हैं उनमें से हिंदुओं की तादाद ज्यादा है। कोई इमाम जुर्म नहीं करता। हिंदू के घर में जैसे मां चाहती है कि उनका बेटा पंडित बने, मुसलमान महिला भी चाहती है उनका बेटा

इमाम बने।

दिल्ली गैस चैंबर बन गई है ! प्रदूषण को लेकर बीजेपी ने 'आप' पर साधा निशाना, कहा- सांस लेना हो गया मुश्किल

भोपल (एजेंसी)। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर) द्वारा मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 337 दर्ज किया गया। सफर के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता %बेहद खराब% श्रेणी में दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में बिगड़ी हवा की गुणवत्ता पर सियासत भी जारी है। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता शहजाद जय हिंद ने ट्वीट कर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जबकि प्रचार खत्म हो गया है तो क्या दिल्ली के प्रचार मंत्री दिल्ली पर फोकस कर सकते हैं? दिल्ली बन गई गैस चैंबर ! दिल्ली में प्रदूषण के आंतरिक कारणों पर पिछले 7-8 वर्षों में दिवाली और बाकी सभी को दोष देने के अलावा कुछ नहीं किया गया है इस बीच हम जहरीली हवा में सांस लेते हैं !

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है और बुधवार को हल्का कोहरा छा सकता है। सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 7.6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)